रीवा
13 सितम्बर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारत-पाकिस्तान...

@ पेज 7

कोई सच्चाई नहीं, कांग्रेस और राहुल के वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

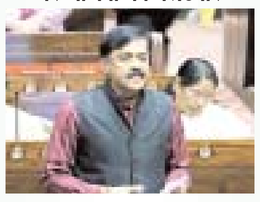

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने शुक्रवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पर वोट चोरी के आरोपों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि उनके अभियान में कोई सच्चाई नहीं है। राव ने एएनआई को बताया, कांग्रेस और उनके अभियान की ओर से लगाए गए आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। यह बात पूरे देश को पता है। यह कहना कि प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस का वोट शेयर गिरा है, गलत है। इसलिए मैंने मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले पिछले तीन दशकों के चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन का विस्तृत विश्लेषण किया है।

भाजपा नेता ने पूछा कि क्या वह उन सभी को वोट चोर मानती है, जिन्होंने वोटों को स्थानांतरित करने के मामले में उनके लिए परेशानी खड़ी की। राव ने कहा, 1984 में कांग्रेस ने सबसे अच्छा प्रदर्शन तब किया, जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। 543 सीटों में से कांग्रेस को 404 सीटें मिलीं। कांग्रेस का वोट प्रतिशत 49.1 प्रतिशत था। 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए, तो कांग्रेस का वोट प्रतिशत घटकर 19.5 प्रतिशत रह गया।

पति नपुंसक, ससुर ने मेरा शोषण किया

महिला ने रिटायर्ड पुलिस अधिकारी पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई,एजेंसी। पुणे में एक महिला ने अपने ससुर पर शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसका पति नपुंसक है और उसके ससुर ने बच्चे के लिए उसका उत्पीड़न किया और शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। आरोपी सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त है। बहू की शिकायत पर पूर्व पुलिस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि शिकायत में न केवल सेवानिवृत्त अधिकारी, बल्कि पीड़िता के पति और सास के खिलाफ भी आरोप शामिल हैं।

महिला ने लगाए गंभीर आरोप-पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया है कि उसका पति बच्चा पैदा करने में असमर्थ है। महिला का कहना है कि डॉक्टर से परामर्श लेने या प्रजनन संबंधी उपचार जैसे विकल्पों पर विचार करने के बजाय, उसके पति और सास ने उसके ससुर के माध्यम से उस पर बच्चा पैदा करने का दबाव डाला।

महिला ने ससुर पर बिना सहमति के बार-बार उसके कमरे में घुसने और पोते-पोती की इच्छा पूरी करने के बहाने यौन संबंध बनाने की मांग करने का आरोप लगाया है। महिला की शादी पांच महीने पहले हुई थी। महिला ने शिकायत में बताया कि हनीमून के दौरान उसके पति ने शारीरिक संबंध बनाने से इनकार कर दिया। महिला ने पति के नपुंसक होने का दावा किया। महिला ने बताया कि उसके ससुर की हरकतों को उसके पति और सास का भी समर्थन था।

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे से 2 दिन पहले हिंसा, उपद्रवियों ने पोस्टर-बैनर फाड़े, आग लगाई

13 सितंबर को मोदी चुराचांदपुर-इंफाल जाएंगे

इंफाल,एजेंसी। पीएम मोदी के मणिपुर दौरे के दो दिन पहले राज्य में फिर हिंसा भड़की। गुरुवार देर रात चुराचांदपुर में उपद्रवियों ने पीएम मोदी के स्वागत में लगे पोस्टर बैनर फाड़ दिए, बैरेकेडिंग गिरा दी और उनमें आग लगा दी। यह घटना पीसोनमुन गांव में हुई, जो चुराचांदपुर पुलिस स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने उपद्रवियों को भगाया। लाठीचार्ज भी किया। हालांकि कितने घायल हुए हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

न्यूज एजेंसी PTI ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि मोदी 13 सितंबर को राज्य का दौरा करेंगे और 8,500 करोड़ रुपए की सौगात देंगे। मोदी चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड से 7,300 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट की आधारशिला रखेंगे। यह इलाका कुकी बहुल है। इसके साथ ही पीएम मैतेई बहुल इलाके इंफाल से 1,200 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन भी करेंगे।

मणिपुर हिंसा के बाद मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा है। मई 2023 में मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इस हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। मणिपुर के सांसद बोले- मोदी कठिन समय पर आ रहे मणिपुर के एकमात्र राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा ने प्रधानमंत्री के दौरे को राज्य के लिए बहुत सौभाग्यशाली बताया।

एक वीडियो मैसेज में उन्होंने कहा- यह बहुत सौभाग्य की बात है कि मोदी लोगों की कठिनाइयों को सुनेंगे।

मणिपुर में पहले भी हिंसक झड़पों का इतिहास रहा है। हालांकि, ऐसे समय में पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने राज्य का दौरा नहीं किया और लोगों की बात नहीं सुनी। मोदी ऐसे कठिन समय में यहां आने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। 237 एकड़ में फैले कांगला किले में आएंगे पीएम मोदी अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे से पहले इंफाल और चुराचांदपुर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंफाल में लगभग 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चुराचांदपुर के पीस ग्राउंड में प्रधानमंत्री के समारोह के लिए एक बड़ा मंच तैयार किया जा रहा है। यहां सेंट्रल फोर्स के जवानों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है।सेंट्रल फोर्स और स्टेट पुलिस कांगला किले की 24 घंटे निगरानी कर रही है। साथ ही नाव के जरिए किले के चारों ओर की खाइयों में भी गश्त की जा रही है। 1891 में रियासत के विलय से पहले, कांगला किला तत्कालीन मणिपुरी शासकों के लिए सत्ता का केंद्र हुआ करता था। तीन तरफ खाइयों और पूर्वी तरफ इंफाल नदी से घिरे इस किले में एक बड़ा पोलो मैदान, एक छोटा जंगल, मंदिर के खंडहर और ऑर्कियोलॉजिकल डिपार्टमेंट का ऑफिस है।

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 4 की मौत

आगरा में 40 गांव डूबे; हिमाचल में बाढ़-बारिश से अब तक 380 की मौत

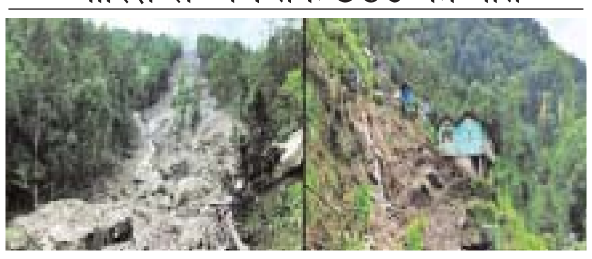

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ,एजेंसी। वेस्ट सिक्किम के यांगथांग के अपर रिंबी इलाके में शुक्रवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज धार नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू भी चल रहा है। यूपी के आगरा में यमुना में बाढ़ है। यहां 25 कॉलोनियां और 40 गांव में 2-5 फीट तक बाढ़ का पानी भरा है। ताजमहल के पीछे बना पार्क पूरी तरह से डूब गया। 5 हजार से ज्यादा लोग रिलीफ कैंप में हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश-बाढ़ के कारण 380 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं। सबसे ज्यादा 48 मौतें लैंडस्लाइड में गईं। बादल फटने से 17 की मौत हुई है। आज 3 नेशनल हाईवे समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

सीपी राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति

● सितंबर 2030 तक होगा कार्यकाल ● इस्तीफा देने के 53 दिन बाद दिखे जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने 15वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राधाकृष्णन को शपथ दिलाई। राधाकृष्णन का कार्यकाल 11 सितंबर 2030 तक होगा।

इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू भी समारोह में पहुंचे। इस्तीफा देने के 53 दिन बाद पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए। धनखड़ ने 21 जुलाई को हेल्थ इश्यू के कारण इस्तीफा दिया था। सूत्रों के अनुसार, शपथ ग्रहण के तुरंत बाद उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन राज्यसभा के सभी नेताओं के साथ दोपहर 12:30 बजे बैठक करेंगे। इसकी घोषणा गुरुवार देर शाम की गई थी। NDA उम्मीदवार राधाकृष्णन को 9 सितंबर को भारत का 15वां उपराष्ट्रपति चुना गया। उन्हें विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के मुकाबले 452 वोट मिले। राधाकृष्णन ने रेड्डी को 152 वोटों के अंतर से हराया है।

पीएम के सपने में आई मां,बोलीं-राजनीति के लिए कितना गिरोगे

बिहार कांग्रेस का एआई वीडियो पोस्ट, गिरिराज ने कहा-राहुल गांधी की मां नकली, गिर गए हैं

पटना,एजेंसी। बिहार में वोट अधिकार यात्रा के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने पर मचे बवाल के बाद बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर एक,ढ्ढ जनरेटेड वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो के बाद बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है।

36 सेकेंड के AI जेनेरेटेड वीडियो में पीएम मोदी से मिलते शख्स और उनकी दिवंगत मां हीराबेन से मिलती जुलती महिला को दिखाया गया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है- साहब के सपनों में आई मां। देखिए रोचक संवाद।

गुरुवार रात शेयर हुए इस वीडियो में दिखाया गया है, प्रधानमंत्री के सपने में उनकी मां आकर कह रही है कि राजनीति के लिए कितना गिरोगे?

भाजपा ने इस वीडियो को प्रधानमंत्री और उनकी मां के खिलाफ आपत्तिजनक बताते हुए कांग्रेस पर हमला किया है। बीजेपी का आरोप है कि कांग्रेस ने राजनीतिक बहस का स्तर गिरा कर सारी हदें पार कर दी हैं।

पहले बीजेपी ने राहुल-तेजस्वी का वीडियो जारी किया

इससे 12 घंटे पहले बिहार बीजेपी के x हैंडल से एक AI जनरेटेड वीडियो शेयर किया गया था।जिसमें राहुल गांधी और तेजस्वी यादव को मीडिया से बात करते हुए दिखाया गया।वीडियो में सीएम फेस को लेकर सवाल हो रहा है।जिसके बाद राहुल के पीएम बनने और तेजस्वी के सीएम बनने पर दोनों बहस करते दिखाई दे रहे हैं।

अब जानिए कांग्रेस की ओर से जारी एआई वीडियो में है या

बिहार कांग्रेस के x हैंडल पर जो AI जनरेटेड वीडियो जारी किया गया है। उसके कैप्शन में लिखा है, साहब के सपनों में आईं मां। इसके बाद दो किरदार दिखाए गए हैं। जिसमें एक बुजुर्ग महिला (पीएम की मां से मिलती-जुलती) एक शख्स (पीएम से मिलते-जुलते) के सपनों में आती हैं। कहती हैं अरे बेटा पहले तो तुमने मुझे नोटबंदी की लाइनों में खड़ा किया। मेरे पैर धोने की रील्स बनवाई और अब बिहार में मेरे नाम पर राजनीति कर रहे हो।

उनके हाथ खून से रंग हुए, धब्बे नहीं हटेंगे

श्रृंगला ने जमात-ए-इस्लामी पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई। साथ ही हमला बोलते कहा कि उनके हाथ खून से रंगे हैं। वे मुस्लिम ब्रदरहुड का हिस्सा हैं। श्रृंगला ने तेंदुए से तुलना करते हुए कहा कि इसलिए यह अपने धब्बे नहीं बदलेगा। श्रृंगला इंडियन इंटरनेशनल सेंटर में क्या हम बांग्लादेश चुनावों के लिए तैयार हैं? विषय पर परिचर्चा में बोल रहे थे। श्रृंगला ने कहा कि भारत बांग्लादेश समेत अपने पड़ोसियों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन देश को अपने मूल हितों के विरुद्ध काम करने वाली किसी भी सरकार के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

भारत के लिए सॉफ्ट पावर के साथ ही हार्ड पावर दिखाने का भी समय आ गया है : रक्षा सचिव

पुणे,एजेंसी। भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा है कि दुनियाभर में प्रतिस्पर्धा और आर्थिक संरक्षणवाद बढ़ रहा है। ऐसे में भारत को भी अपनी सॉफ्ट पावर के साथ ही हार्ड पावर को भी प्रदर्शित करने का समय आ गया है। पुणे में दक्षिणी कमान रक्षा तकनीक 2025 (स्ट्राइड 2025) कार्यक्रम में अपने संबोधन में भारत के रक्षा सचिव ने ये बात कही।

दुनियाभर में आर्थिक संरक्षणवाद का दौर :कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश कुमार सिंह ने कहा कि मध्य पूर्व और यूरोप में चल रहे संघर्षों और दुनिया भर में लोकलुभावन नीतियों का वादा करने वाले नेतृत्व के उदय से भू-राजनीति में बड़े बदलाव दिख रहे हैं। इन बदलावों ने बढ़ते वैश्वीकरण और मुक्त व्यापार की प्रवृत्ति को रोक दिया है। रक्षा सचिव ने कहा कि ये प्रवृत्तियां दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी लोकलुभावनवाद और आर्थिक संरक्षणवाद को बढ़ावा दे रही हैं, जिसके साथ-साथ आर्थिक भेदभाव, बहुपक्षीय संस्थाओं का पतन और राष्ट्रवाद की बढ़ती लहर भी देखने को मिल रही है।

सिंह ने कहा, आज के समय में रणनीतिक सौदेबाजी के लिए आपको सॉफ्ट पावर के साथ ही हार्ड पावर भी प्रदर्शित करने की जरूरत है। सॉफ्ट पावर को हार्ड पावर से समर्थन देने की जरूरत और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा जगत, डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) जैसे अनुसंधान संस्थानों, निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों को एक साथ लाने की जरूरत है।

हार्ड पावर या है?

हार्ड पावर वो होती है, जब कोई देश अपने राजनीतिक हितों को पाने के लिए सैन्य और आर्थिक साधनों का उपयोग करता है। यह राजनीतिक शक्ति का एक रूप है जो अक्सर आक्रामक होती है, इसमें सेना का इस्तेमाल किया जाता है। यह सबसे प्रभावी तरीका माना जाता है।

सॉ ट पावर या है?

सॉफ्ट पावर को दूसरे देशों को आकर्षित करने और उन्हें अपने साथ जोड़ने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसमें पर्यटन, संस्कृति और विरासत जैसे अमूर्त संसाधनों पर फोकस किया जाता है और इन चीजों के माध्यम से दूसरे देशों में अपने देश की छवि को बेहतर किया जाता

टीएएसएल ने इंद्रा के साथ मिलकर बनाया 3डी वायु निगरानी रडार

अब हवा में ही ढेर हो जाएंगे दुश्मन

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने नौसेना को स्वदेशी 3डी वायु निगरानी रडार (3डी-एएसआर) सौंप दिया है। इसे नौसेना के युद्धपोत पर लगाया गया है। यानी अब हवा में ही दुश्मन ढेर हो जाएंगे। कंपनी के अनुसार पहली बार लांजा-एन रडार स्पेन के बाहर चालू होगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने इंजीनियरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंद्रा के साथ मिलकर उन्नत नौसैनिक वायु निगरानी रडार बनाया है। इसे बड़ी उपलब्धि माना जा रहा। टीएएसएल ने कहा कि 3डी वायु निगरानी रडार निर्माण के साथ वह अगली पीढ़ी के नौसैनिक निगरानी रडार सिस्टम निर्माण और एकीकरण की क्षमता प्रदर्शित करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई है। उसने इंद्रा के साथ मिलकर नौसेना के एक युद्धपोत पर पहला 3डी-एएसआर-लांजा-एन सफलतापूर्वक स्थापित कर चालू किया। यह उपलब्धि भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें सिस्टम एकीकरण और संयोजन में अहम स्थानीयकरण है। रडार को नौसेना के इस युद्धपोत की सभी प्रणालियों के साथ सहजता से एकीकृत किया गया है। कंपनी ने कहा, इसकी स्वीकृति और प्रेरण के लिए कठोर समुद्री परीक्षण किए गए, जिसके दौरान रडार क्रॉस-सेक्शन की एक श्रृंखला में प्रदर्शन का परीक्षण करने के लिए विभिन्न नौसैनिक और हवाई प्लेटफार्मों को तैनात किया गया।

ड्रोन, सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों और विकिरण-रोधी मिसाइलों को भांपने में कारगर

इंद्रा की नौसेना व्यवसाय इकाई की प्रमुख एना बुएंडिया ने कहा, यह परियोजना बड़ी संख्या में जहाजों के लिए रडार की आपूर्ति और तैनाती से कहीं आगे तक जाती है। इससे हमें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ महत्वपूर्ण सहयोग स्थापित करने में भी मदद मिली है, जिसके साथ हमने बेंगलुरु में एक रडार फैक्ट्री स्थापित करने के लिए काम किया है। ब्यूंडिया ने कहा, इससे अब हमें सिस्टम का अधिक कुशलता से उत्पादन करने और ग्राहक को अधिक निकट सेवा देने के लिए स्थानीय समर्थन मिलेगा। इंद्रा की लांजा-एन सबसे उन्नत लंबी दूरी की त्रि-आयामी सामरिक निगरानी प्रणालियों में से एक है, जो विशेष कवरेज क्षेत्र के भीतर मित्रवत और शत्रुतापूर्ण हवाई और सतही लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम है। टीएएसएल के अनुसार, यह रडार विभिन्न प्रकार के ड्रोन, सुपरसोनिक लड़ाकू विमानों और विकिरण-रोधी मिसाइलों के साथ सभी प्रकार के नौसैनिक प्लेटफार्मों का पता लगाने में अत्यधिक प्रभावी है।

डिलीवरी में तेजी आने का दावा

औकंपनी का कहना है कि उत्पादन को समर्थन देने के लिए कर्नाटक में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की सुविधा में एक रडार असेंबली, एकीकरण और परीक्षण सुविधा पहले ही स्थापित की जा चुकी है, जिससे डिलीवरी में तेजी आएगी। टीएएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक सुकरन सिंह ने कहा, इंद्रा के साथ हमारा सहयोग भारत में रडार निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जमीनी स्तर पर तालमेल, तकनीकी विशेषज्ञता और एक मजबूत स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला का लाभ उठाकर हम उन्नत रक्षा तकनीकों के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर रहे।

स्कूल में झगड़ा और गाली गलौज के बाद छात्रा पर ब्लेड से हमला, पीड़िता को लगे 50 से ज्यादा टांके

दिल्ली, एजेंसी। अमन विहार इलाके में स्कूल में हुई गाली गलौज का बदला लेने के लिए एक छात्रा ने अपनी बहन और दो अन्य छात्राओं के साथ मिलकर बारहवीं की छात्रा पर ब्लेड (पेपर कटर) से चेहरे व कमर पर हमला कर दिया। इसमें पीड़िता के चेहरे व कमर पर करीब 50 से अधिक टांके लगे हैं। शुरुआती जांच में पता चला कि हमला करने वाली मुख्य आरोपी पीड़िता की स्कूल की छात्रा है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि नौ सितंबर को अमन विहार थाना पुलिस को रोहिणी सेक्टर-20 निवासी एक किशोरी पर हमला होने की जानकारी मिली। पीड़िता पर छात्राओं ने ब्लेड से हमला किया था। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़ित छात्रा अभी बयान देने की हालत में नहीं थी। छानबीन में पता चला कि 14 और दो पंद्रह साल की छात्राओं ने पीड़िता को थप्पड़ मारे, जबकि 16 साल की छात्रा ने उसके चेहरे और कमर पर ब्लेड से हमला कर दिया। पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी छात्रा पीड़िता की स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा है। चार नवंबर को पीड़िता और मुख्य आरोपी के बीच स्कूल में झगड़ा हुआ था। उसका बदला लेने के लिए उसने अपनी बहन और अन्य छात्राओं के साथ मिलकर उसपर हमला कर दिया।

गाली गलौज के बाद हुआ झगड़ा : पीड़िता अपने माता-पिता, एक छोटा भाई और बहन के साथ रोहिणी सेक्टर 20 में रहती है। पीड़िता के चाचा ने बताया कि इसी स्कूल में पढ़ने वाली मुख्य आरोपी छात्रा उसकी भतीजी के साथ गाली गलौज कर रही थी। इसे लेकर चार सितंबर को उनके बीच कहासुनी हुई थी। पीड़िता के साथ आरोपियों ने उस दिन मारपीट की थी। बताया कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जिसमें दिख रहा है कि पीड़िता को कुछ छात्राओं ने घेर कर उसपर हमला किया है।

तपिश के बीच अगले दो दिन बारिश की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आने वाले दो दिन 13-14 सितंबर को बारिश होगी। इससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। बृहस्पतिवार की सुबह धूप निकली थी। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 0.5 अधिक के साथ 34 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का स्तर 79 से 54 फीसदी रहा। वहीं, मौसम विभाग ने शुक्रवार को आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। इस दौरा सतही हवाएं 20-30 किमी प्रति घंटे की गति से चलेंगी, जो बढ़कर 40 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएंगी। ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 34 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को एक फिर हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच और न्यूनतम 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। रविवार को भी आसमान में बाद छाए रहेंगे और हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के कारण अधिकतम तापमान गिरकर 32 से 34 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने की संभावना है। वहीं न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। सोमवार से बुधवार तक मौसम एक जैसा बना रहेगा। तीनों दिन अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच और न्यूनतम 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

हत्या के प्रयास में फरार आरोपी को राजस्थान से दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में मामूली कहासुनी के बाद बीए प्रथम वर्ष के छात्र को चाकू मारने के आरोप में फरार चल रहे आरोपी हिमांशु नायक को पुलिस ने अजमेर राजस्थान से गिरफ्तार किया है। करीब 9 माह पहले 17 दिसंबर 2024 को आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया था। मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ रावण को उसी समय गिरफ्तार कर चाकू बरामद कर लिया गया था। अन्य आरोपी दीपक, रोशन और हिमांशु नायक फरार थे। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि 17 दिसंबर 2024 को बीए का छात्र अपने दोस्तों के साथ आनंद पर्वत के प्रेम नगर में बैठा हुआ था। इस बीच नशे की हालत में मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ रावण वहां पहुंचा। आरोपी पीड़ित छात्र से झगड़ा करने लगा। विरोध जताने पर आरोपी कुछ देर में आने की बात कर वहां से निकल गया। बाद में वह अपने दोस्त दीपक, रोशन और हिमांशु नायक के साथ वहां पर पहुंचा। कहासुनी के दौरान अचानक दीपक ने चाकू निकालकर छात्र पर हमला कर दिया। बाद में सभी आरोपी फरार हो गए।

टैंपो चालक को बेहोश कर छह टन कॉपर स्क्रैप लूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के वजीराबाद रोड पर खुद को बैंककर्मी बताकर कार सवार चार बदमाश छह टन कॉपर स्क्रैप लूट कर भाग गए। आरोप है कि बदमाशों ने जबरन टेंपो में चढ़कर पहले चालक को बेहोशी का इंजेक्शन लगया। फिर टेंपो से सारा माल लेकर भाग गए। बाद में चालक को बेहोशी की हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक, बुराड़ी निवासी मनीष कुमार टेंपो चलाते हैं। शनिवार सुबह करीब 9 बजे वह लिबासपुर के गोदाम से छह टन कॉपर स्क्रैप लोड करवा कर मंडोली के लिए निकल गए। सोनिया विहार स्थित वजीराबाद रोड पर बन रहे मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचने पर कार में सवार चार बदमाश उनके पास आए। उन्होंने खुद को बैंककर्मी बता कर उन्हे रोक लिया। उन्होंने दावा किया था कि यह टेंपो लोन पर लिया गया है, जिसके लोन की किस्त बची हुई है। यह सुनकर मनीष ने अपने मालिक को फोन किया। तभी दो बदमाश टेंपो के अंदर आ गए और चालक की बायीं बाजू पर इंजेक्शन लगा दिया।

घर का दरवाजा खटखटाकर चलाई गोली, मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में स्कूटी सवार बदमाशों ने घर का दरवाजा खटखटाकर गोली चला दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद मामला दर्ज कर लिया है। शुरुआती जांच में पुलिस आशंका जता रही है कि आपसी रंजिश से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस को मामले में कुछ सुराग हाथ लगे हैं।

पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता गली नंबर-10, भजनपुरा निवासी अर्जुन पेशे से इंजीनियर हैं। मंगलवार रात वह बाहर की ओर बालकनी वाले कमरे में सो रहे थे। देर रात करीब सवा दो बजे किसी ने इनके घर का दरवाजा खटखटाया। स्कूटी सवार दो युवक अर्जुन के भाई किशन को आवाज दे रहे थे। अर्जुन ने जैसे ही बालकनी से झांककर देखा तो एक आरोपी ने ऊपर की ओर गोली चला दी। अर्जुन बच गए। उन्होंने फौरन अपने भाई किशन को आवाज देकर बुलाया। अर्जुन ने बताया कि स्कूटी सवार बदमाशों ने हेलमेट लगाने के अलावा मुंह पर कपड़ा भी बांधा हुआ था। पुलिस स्कूटी नंबर के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

अवैध हथियार के साथ बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। शकरपुर थाना पुलिस ने अवैध हथियार के साथ बदमाश आदिल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक पिस्टल और स्कूटी बरामद की है। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि पुलिस 7 सितंबर को सुबह चार बजे लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान स्कूटी सवार दो युवक संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। पुलिसकर्मियों ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछाकर उसे गिरफ्तार लिया। पूछताछ में बदमाश ने खुलासा किया कि उसने दिल्ली के शाहरुख से हथियार खरीदा था।

घर से चोरी करने वाला बदमाश गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। मयूर विहार थाना पुलिस ने 90 ग्राम सोने के आभूषण और 1.73 लाख की नकदी के साथ एक चोर को पकड़ा है। उससे एक चोरी की बाइक भी बरामद की है। बदमाश की पहचान कल्याणपुरी निवासी राशिद उर्फ आशिफ के रूप में हुई। राशिद पर पहले से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 2 सितंबर की देर रात मयूर विहार थाना पुलिस को चोरी की शिकायत मिली। केस दर्ज कर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जांच में तीनों बदमाशों की पहचान हो गई। इसके बाद मुखबिरों की सूचना के आधार पर राशिद को गिरफ्तार कर लिया गया।

यमुना शांत... लेकिन टेंट में रात-दिन गुजारना मुश्किल, पीड़ित बोले- पानी उतरते ही कम होती गई मदद

दिल्ली, एजेंसी। यमुना का जलस्तर सामान्य हो गया है, फिर भी लोग चिल्ला, यमुना खादर, विकास मार्ग, पुराना उस्मानपुर और गढ़ी मांडू समेत अन्य जगहों पर सड़क पर टेंट लगाकर रहे हैं। लोगों ने बताया कि अब उनके पास पर्याप्त राशन भी नहीं बचा है जो कुछ भी था वह बाढ़ में बर्बाद हो गया है। इन लोगों ने आरोप लगाया कि बाढ़ के एक-दो दिन तक सरकार की ओर से मदद की गई, लेकिन पानी कम होने के बाद प्रशासन की ओर से न के बराबर मदद की जा रही है।

लोगों ने बताया कि पहले गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) की ओर से यहां पर हर घंटे कुछ न कुछ मदद मिल जाती थी, लेकिन अब वह भी कम हो चुकी है। बाढ़ प्रभावितों ने बताया कि यमुना का पानी कम होते ही वह अपने घरों तक गए लेकिन खाने-पीने का सारा सामान खराब हो चुका था। जो बची हुई चीजें थीं वह साथ लेकर आ गए। कोई संस्था खाने-पीने की चीजें लेकर मदद के लिए पहुंचती है, तो लंबी कतार की वजह से हर जरूरतमंद तक सामान नहीं पहुंच पाता है।

दानदाताओं में फोटो लेने की होड़ : लोगों ने बताया कि यहां पर कुछ लोग ऐसे भी आते हैं, जो दान करते वक्त हर एक व्यक्ति की फोटो क्लिक करते रहते हैं। वह थोड़ा सा भी कुछ देते हैं, तो वह पहले उसकी फोटो लेते हैं और वीडियो बनाते हैं। फिर उसके बाद वह लोगों की मदद करते हैं। ऐसे में लोग मदद लेते वक्त खुद को शर्मिंदा महसूस करते हैं। गुरुवार को बरगी के पास गोवंश से भरा कंटेनर पकड़ा गया, जिसमें 60 से ज्यादा गोवंश ठूंस-ठूंसकर भरे हुए थे। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की सूचना पर हाईवे से कंटेनर को पकड़कर बरगी पुलिस ने कब्जे में लिया। हालांकि मौका मिलते ही ड्राइवर कंटेनर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर ट्रक मालिक और अज्ञात चालक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। सूचना के बाद हाईवे में की घेराबंदी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि रीवा,कटनी, सतना तरफ से नागपुर की ओर बड़ी संख्या में गोवंश को भरकर ले जाया जाता है। दोपहर को जैसे ही बजरंग दल को पता चला कि एक बड़े कंटेनर में गोवंश ले जाए जा रहे हैं। कार्यकर्ता बरगी पुलिस के साथ तिनसी गांव के पास पहुंचे और कंटेनर को रोकने की कोशिश की। चालक ने सड़क किनारे वाहन को रोका और फरार हो गया। पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में लिया और दरवाजा खोला तो देखकर दंग रह गए। जिंदा-मृत गोवंश पड़े हुए थे पुलिस ने कंटेनर का गेट खोला तो देखा कि क्रूरतापूर्वक गोवंश भरे हुए हैं। कुछ जिंदा थे तो कुछ मर गए थे। पुलिस ने पशु चिकित्सा विभाग को सूचना देकर मौके पर बुलाकर घायल गोवंशों का इलाज करवाया। कंटेनर में 11 गोवंश की मौत हो चुकी थी। डॉक्टर के अनुसार ऑक्सीजन की कमी और खराब परिस्थितियों के कारण कई मवेशी मृत पाए गए, जबकि कुछ की हालत गंभीर थी।गुरुवार को मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। भोपाल में हल्की बारिश हो सकती है। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर-ग्वालियर में भी मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।

, डिंडौरी समेत 10 जिलों में गिरा पानी बुधवार को भी भोपाल समेत 10 से ज्यादा जिलों में रिमझिम बारिश दर्ज की गई। डिंडौरी में झमाझम बारिश हुई। नर्मदापुरम में बारिश का दौर होने से तवा डैम फिर से छलक उठा। बालाघाट के मलाजखंड में पौन इंच से ज्यादा बारिश हुई तो छिंदवाड़ा में आधा इंच पानी गिर गया। भोपाल, नर्मदापुरम, पचमढ़ी, खजुराहो, सीधी में भी हल्की बारिश हुई।

टेंट में रात-दिन गुजारना बहुत मुश्किल हो रहा है। किसी तरह हम लोग यहां पर रहे हैं। शुरू-शुरू में यहां कई लोग मदद के लिए आते थे, लेकिन पानी कम होने के बाद अब यहां पर लोगों ने आना कम कर दिया है।

-ओम प्रकाश, बाढ़ पीड़ित : यमुना का पानी कम होते ही अपने घर गया। जाकर देखा, तो सारा सामान खराब हो चुका था। जो बचा हुआ सामान था उसे हम लोग यहां टेंट में ले आए। जब सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा, तो फिर से घर में लौट जाएंगे।

- विजय बहादुर, बाढ़ पीड़ित

छात्रों की आत्महत्या पर हाईकोर्ट चिंतित, मजबूत और प्रभावी रैगिंग-रोधी व्यवस्था की तत्काल जरूरत बताई

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अदालत ने रैगिंग-रोधी हेल्पलाइन को प्रभावी बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा, कि छात्र आत्महत्याएं चिंताजनक रूप से बढ़ रही हैं और इस दिशा में तत्काल कदम उठाए जाने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और छात्र आत्महत्याओं के मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। 10 सितंबर के आदेश में कोर्ट ने कहा, छात्र आत्महत्याओं को रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी प्रक्रियाएं लागू करना अत्यंत आवश्यक है।

यह टिप्पणी अमन सत्य काचरू ट्रस्ट द्वारा दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आई, जिसमें राष्ट्रीय रैगिंग निवारण कार्यक्रम के प्रबंधन से संबंधित राहत की मांग की गई थी। यह कार्यक्रम 2012 से ट्रस्ट द्वारा संचालित था, लेकिन अप्रैल 2022 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नया टेंडर जारी कर इसे सेंटर फॉर यूथ सोसाइटी (सी4वाय) को सौंप दिया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि उसने साथियों के साथ मिलकर चोरी ाके में दिनदहाड़े फूल व्यापारी के घर से दस लाख रुपए की नकदी और जेवरात चोरी करने का मामला सामने आया है। वारदात बुधवार दोपहर की है। लेकिन एफआईआर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात दर्ज की गई है। गुरुवार की सुबह एफएसएल की टीम से पुलिस ने स्पॉट का निरीक्षण कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

ट्रस्ट ने यूजीसी के टेंडर रद्द करने और रैगिंग-रोधी कार्यक्रम के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की थी। कोर्ट ने याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि वह मौजूदा टेंडर में हस्तक्षेप नहीं करेगा, जो 31 दिसंबर 2025 तक वैध है। हालांकि, कोर्ट ने ट्रस्ट द्वारा उठाए गए मुद्दों, जैसे यूजीसी और सी4वाय की लापरवाही और रैगिंग की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लिया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल मेडिकल कमीशन 2024 के आंकड़ों के अनुसार, प्रतिवर्ष 13,000 से अधिक छात्र आत्महत्याएं होती हैं, जो किसानों की आत्महत्याओं (11,000) से अधिक हैं। 2019-2023 के बीच केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में 98 आत्महत्याएं हुईं, जिनमें से 11 अकेले आईआईटी में थीं। मेडिकल कॉलेजों में 2018-2023 के बीच 122 आत्महत्याएं और 1,166 ड्रॉपआउट दर्ज किए गए। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित राष्ट्रीय टास्क फोर्स इन मुद्दों पर गंभीरता से विचार करेगा।

आचार संहिता की अनदेखी पर हाईकोर्ट सख्त, कहा- हर साल दोहराए जाते हैं नियम तोड़ने के मामले

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में लग्जरी गाड़ियों और ट्रैक्टरों के इस्तेमाल पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गंभीर चिंता और नाराजगी व्यक्त की है। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया चुनाव में आदर्श आचार संहिता का लन नहीं हो रहा है। याचिकाकर्ता प्रशांत मनचंदा की ओर से पेश की गई तस्वीरों और वीडियो को देखते हुए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने टिप्पणी की है कि प्रचार में वाहनों, खासकर ट्रैक्टरों, के अत्यधिक उपयोग की अनुमति नहीं दी जा सकती। इससे यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अदालत ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन को निर्देश दिया कि सू चुनाव शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और बिना किसी अप्रिय घटना या संपत्ति को नुकसान पहुंचाए संपन्न कराए जाए। पीठ ने कहा, हर साल उम्मीदवार और उनके समर्थक प्रचार के उत्साह में नियमो का उल्लंघन करते हैं।

अदालत ने जोर देकर कहा कि उम्मीदवारों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप आचरण करना होगा, अन्यथा वे उन संस्थानों में अपेक्षित कार्य नहीं कर पाएंगे, जहां वे निर्वाचित होना चाहते हैं। यू प्रशासन और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को अपर्याप्त बताते हुए अदालत ने डीयू को एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें यह बताया जाए कि चुनाव को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए क्या कदम उ जा रहे हैं।

अमेरिका ने ग्रीस से ऊर्जा सहयोग बढ़ाने का दिया संकेत, रूस पर दबाव बनाने की रणनीति

एथेंस, एजेंसी। अमेरिकी आंतरिक मंत्री डग बर्गम ने गुरुवार को एथेंस दौरे के दौरान कहा कि अमेरिका ग्रीस के साथ ऊर्जा संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता को और कम करना है। बर्गम इस सप्ताह यूरोप में ऊर्जा आपूर्ति समझौतों को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। बुधार को ग्रीस ने घोषणा की थी कि तेल कंपनी शेवरॉन समेत एक कंसोर्टियम ने उसके समुद्री क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की खोज के लिए बोली लगाई है। ग्रीस के प्रधानमंत्री कियरियाकोस मिट्सोटाकिस से मुलाकात में बर्गम ने कहा, ÷अमेरिका का मकसद अपने मित्रों और सहयोगियों को ऊर्जा उपलब्ध कराना है ताकि उन्हें हमारे विरोधियों से खरीदने की जरूरत न पड़े। अमेरिका पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि रूसी गैस को अमेरिकी गैस से प्रतिस्थापित किया जाए।÷ यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से रूसी कच्चे तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाकर 90 प्रतिशत आयात घटा दिया है। हालांकि हंगरी और स्लोवाकिया अब भी पाइपलाइन से आयात कर रहे हैं। 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले से पहले यूरोप अपनी 45 प्रतिशत गैस रूस से लेता था, जो अब घटकर लगभग 13 प्रतिशत रह गया है।

बर्गम ने रेविथुसा स्थित एलएनजी टर्मिनल का दौरा किया, जहां नियमित रूप से अमेरिकी गैस की खेपें पहुंच रही हैं। ग्रीस ने इस साल की पहली छमाही में अमेरिका से एलएनजी आयात 95 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। उधर, क्रेते के दक्षिण में स्थित समुद्री क्षेत्रों में खोज की अमेरिकी रुचि को ग्रीस अपनी संप्रभुता के समर्थन के रूप में देख रहा है। प्रधानमंत्री मिट्सोटाकिस ने कहा, ÷आपका दौरा ठीक उस समय हो रहा है जब शेवरॉन ने क्रेते के दक्षिणी इलाकों में खोज के लिए रुचि जताई है, जो हमारे संप्रभु अधिकारों की पुष्टि करता है।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो को 27 साल तीन महीने जेल की सजा, फैसले से ट्रंप निराश

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के उच्चतम न्यायालय ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को 2022 के चुनाव को पलटने की साजिश का नेतृत्व करने के लिए दोषी ठहराया है। इसमें अदालतों को भंग करना, सेना को सशक्त बनाना और निर्वाचित राष्ट्रपति की हत्या का षड़यंत्र रचना शामिल है। इस मामले की सुनवाई पांच न्यायाधीशों ने की। इनमें से चार ने बोल्सोनारो और उनके साथी तत्कालीन रक्षा मंत्री और नौसेना कमांडर सहित सात सह षड्यंत्रकारियों को दोषी ठहराया।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को 70 वर्षीय बोल्सोनारो को 27 साल तीन महीने जेल की सजा सुनाई। ब्राज़ील में राजशाही खत्म होने के बाद अब तक सेना कम से कम 15 बार तख्तापलट और तख्तापलट करने के प्रयास कर चुकी है। ब्राजील में पहली बार ऐसे मामले में किसी भी पूर्व राष्ट्रपति को सजा सुनाई गई है। बोल्सोनारो को दक्षिणपंथी आंदोलन का अगुवा माना जाता है। इस फैसले से ब्राजील और अमेरिका के बीच संघर्ष बढ़ने की संभावना है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप कई बार ब्राजील से बोल्सोनारो के खिलाफ आरोप वापस लेने की मांग कर चुके हैं। व्हाइट हाउस ने ब्राजील पर भारी टैरिफ लगाकर इसके लिए दबाव भी बनाया था। साथ ही उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों की घोषणा की थी, मगर न्यायपालिका ने इसकी फिक्र नहीं की। न्यायाधीशों ने पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराते हुए अमेरिका के हस्तक्षेप के प्रयासों की आलोचना की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस फैसले से आहत है। ट्रंप ने गुरुवार को वाशिंगटन में संवाददाताओं से कहा, ÷मैं फैसले से बहुत दुखी हूं। मैं बोल्सोनारो को जानता हूं। उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि यह एक भयानक फैसला है। सच में ब्राजील के लिए बहुत बुरा फैसला है।÷ इस बीच बोल्सोनारो ने एक बार फिर सभी आरोपों से इनकार किया। बोल्सोनारो के वकील पाउलो कुन्हा ब्यूनो ने फैसले से पहले कहा था, ÷उनका कभी भी तख्तापलट करने का इरादा नहीं था। यह वास्तव में एक राजनीतिक आरोप है। अगर पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराया जाता है तो न्यायपालिका के इतिहास का यह काला अध्याय होगा।

जॉर्जिया से वापस लौटे हिरासत में लिए गए 300 श्रमिक, आव्रजन छापे के दौरान की गई थी कार्रवाई

सियोल , एजेंसी। जॉर्जिया में आव्रजन छापे के दौरान हिरासत में लिए गए 300 दक्षिण कोरियाई श्रमिक शुक्रवार को वापस लौट आए। कोरियन एयर का एक चार्टर विमान बोइंग 747-8 आई सियोल के पश्चिम में इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर श्रमिकों को लेकर उतरा। चेहरे पर मास्क पहने श्रमिक एयरपोर्ट से गुजरे तो अधिकारियों ने उनका तालियां बजाकर स्वागत किया। चार सितंबर को सवाना के पश्चिम में स्थित हुंडई के विशाल ऑटो प्लांट में निर्माणाधीन बैटरी फैक्टरी में हुई छापेमारी में कुल 475 श्रमिकों को पकड़ा गया, जिनमें से 300 से ज़्यादा दक्षिण कोरियाई थे। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा जारी वीडियो में कुछ श्रमिकों के हाथ, टखने और कमर में जंजीरें बंधी दिखाई दे रही थीं। अमेरिकी आव्रजन विभाग ने दावा किया कि ये श्रमिक

अवैध रूप से काम कर रहे थे। दक्षिण कोरिया ने इस घटनाक्रम पर नाराजगी जताई और इसे लेकर अमेरिका सरकार से बात की। दक्षिण कोरिया की सरकार ने अमेरिका से श्रमिकों की वापसी की मांग की थी। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने बाद में बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया से यह जानने के लिए वापसी प्रक्रिया रोक दी थी कि क्या कोरियाई लोगों को अपना काम जारी रखने और अमेरिकी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में मदद करने के लिए वहीं रहने दिया जाना चाहिए या उन्हें वापस दक्षिण कोरिया भेज दिया जाना चाहिए? दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने निर्देश दिया था कि श्रमिकों को स्वतंत्र रूप से घर लौटने दिया जाए और जो नहीं जाना चाहते, उन्हें जाने की जरूरत नहीं है। इसलिए वापसी प्रक्रिया रोक दी गई और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तदनुसार बदलाव किया गया। एक दक्षिण कोरियाई नागरिक, जिसके रिश्तेदार अमेरिका में रहते हैं, ने अमेरिका में ही रहने का फैसला किया। श्रमिकों को अटलांटा से 460 किलोमीटर दूर फोल्कस्टन स्थित एक आव्रजन हिरासत केंद्र में रखा गया था। हिरासत केंद्र से रिहा होने के बाद उन्हें चार्टर विमान में सवार होने के लिए बस से अटलांटा ले जाया गया। इसके बाद विमान श्रमिकों को लेकर दक्षिण कोरिया से रवाना हुआ। अमेरिकी प्राधिकारियों ने कहा कि हिरासत में लिए गए कुछ कोरियाई श्रमिक अवैध रूप से अमेरिकी सीमा पार कर आए थे, जबकि अन्य वैध रूप से प्रवेश कर गए थे, लेकिन उनके वीजा की अवधि समाप्त हो चुकी थी या वे वीजा छूट पर आए थे, जिसके कारण वे काम नहीं कर सकते थे।

हुंडई और एलजी का प्लांट तैयार कर रहे थे श्रमिक : जिस प्लांट पर आव्रजन छापेमारी हुई वह हुंडई और एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के बीच एक संयुक्त उद्यम है। यह उन 20 से अधिक प्रमुख औद्योगिक स्थलों में से एक है, जिनका निर्माण दक्षिण कोरियाई कंपनियां वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में कर रही हैं। इनमें जॉर्जिया और कई अन्य राज्यों में अन्य बैटरी कारखाने, टेक्सास में एक सेमीकंडक्टर संयंत्र और फिलाडेल्फिया में एक जहाज निर्माण परियोजना शामिल है। तो उस विश्वविद्यालय को सरकारी अनुदान से वंचित कर दिया जाए। साथ ही अप्रवासियों की राजनीतिक संबद्धता की भी जांच की सिफारिश की गई है। 2021 की ऑस्ट्रेलियाई जनगणना के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई आबादी का 3.2त्न मुस्लिम आबादी है। वकील गार्बर ने कहा, सी एलिगेंस प्राप्त करना आसान है, इसका अध्ययन करना आसान है, यह नुकसानदायक नहीं है। वकील ने कहा कि हान का शोध इस बात पर केंद्रित है कि जीव कैसे प्रकाश, स्पर्श और तापमान को पहचानते हैं। वहीं, जज ने भी माना, यह कोई वायरस या फसल नष्ट करने वाला जीव तस्करी का मामला नहीं है। मेरी जानकारी में यह सामग्री बिल्कुल भी खतरनाक नहीं थी।

जियान का मामला अभी अदालत में लंबित हान का मामला मिशिगन विश्वविद्यालय से जुड़े चीनी वैज्ञानिकों के दो मामलों में से एक है। एक अन्य चीनी वैज्ञानिक युनकिंग जियान पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर अमेरिका में फ्यूजेरियम ग्रामीनेरम नामक जहरीली फंगस लाने का आरोप है।

एक ही परिवार ने 200 से ज्यादा के धर्म बदलवाए, 10 साल से चला रहे थे नेटवर्क

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में एक फैमिली पिछले 10 साल से धर्म परिवर्तन का नेटवर्क चला रही थी। संयुक्त मानव अधिकार संगठन और भाजपा नेताओं की शिकायत के बाद 9 सितंबर की रात नवानगर क्षेत्र में उनके घर पर छापा मारा गया। मौके से आपत्तिजनक ग्रंथ और अन्य सामग्री मिली। पुलिस ने नाथन नायक, मीणा नायक, अर्पित नायक, पिंकी सोनवानी और नंदन शाह को गिरफ्तार किया है। बुधवार को पांचों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पता चला है कि ये लोग 200 से ज्यादा लोगों का धर्म परिवर्तन करवा चुके हैं। आशंका यह भी है कि इन लोगों ने कॉलेज में छात्र-छात्राओं के बीच भी नेटवर्क फैला रहा था। असलियत जानने के लिए मीडिया बस्ती में पहुंची।

कोई बात करने को तैयार नहीं, महिला छड़ी लेकर दौड़ी: सिंगरौली जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर है नवानगर। यहां ज्यादातर नॉर्दर्न कोल फील्ड की कोयला खदान के मजदूर रहते हैं। मीडिया जब यहां पहुंची तो बसौर के बाजार समेत पूरी बस्ती में सन्नाटा पसरा था। धर्म परिवर्तन कराने वाले लोगों और जगह के बारे में पूछा, तो कोई कुछ बताने को तैयार नहीं हुआ। जिससे पूछो, वो बिना कुछ बोले चला जाता। जैसे-तैसे हम बसौर बस्ती पहुंचे। एक महिला दिखी।

उससे पूछा- दीदी, यहां कोई दिख नहीं रहा। सब लोग कहां गए? महिला ने लकड़ी की छड़ी दिखाते हुए वापस जाने को कहा। रास्ता रोककर खड़ी हो गई। भास्कर टीम को बिना कुछ कहे वहां से वापस आना पड़ा। दूसरे रास्ते से आगे बढ़े तो हाथ ठेले के पास 14-15 साल की बच्ची नजर आई। उससे भी वही सवाल किया। सवाल पूरा होने से पहले वो पलटकर अपने घर में चली गई। करीब एक-डेढ़ घंटे बस्ती में घूमने के बाद हम एक घर के सामने पहुंचे। घर से भगवान की आरती गाने की आवाज आ रही थी। दो-तीन मिनट ही हुए होंगे कि एक महिला बाहर आई।

लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप: महिला ने अपना नाम रेणु देवी बताया। कहा कि यहां जो चल रहा है, पुलिस और बाहर के लोगों को अब मालूम चला। हम लोग करीब 10 साल से ये सब देख रहे हैं। रविवार, बुधवार और शुक्रवार को यहां बहुत लोग आते थे। पूरी बस्ती में भीड़ रहती थी।

जब लोग उस मकान में अंदर चले जाते, तो गेट पर ताला लग जाता था। अब अंदर क्या हो रहा है, कौन जाने। जानते सब थे कि अंदर लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। कई बड़े-बड़े लोग भी आते थे। बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और पैसों का लालच देते थे। मेरे घर के आस-पास के बहुत लोग वहां जाते हैं। ये पंडित का घर, स्वीपर और वो जो मकान दिख रहे हैं, यहां के सब लोग वहां जाते हैं।

महिला बोली- मेरे परिवार को भी लालच दिया था: रेणु देवी ने कहा- मेरे परिवार को भी इन लोगों ने लालच दिया था। कुछ साल पहले हमारे बड़े बेटे की मौत हो गई थी। परिवार में सब लोग बहुत परेशान थे। मैं तो अपना होश-हवास तक खो चुकी थी। दिनभर घर के दरवाजे पर बैठी रहती। ऐसा लगता था कि बेटा अभी आने वाला है।

ये लोग मेरे ऊपर निगाह रख रहे थे। आते-जाते मुझसे हाल पूछते। कुछ दिन बाद मेरे पास बैठकर मन बहलाने की कोशिश करने लगे। हफ्ताभर ही हुआ होगा कि धर्म-कर्म की बातें करते। वो कहते- भगवान ने बहुत बड़ी नाइंसाफी कर दी। यीशू मेरी मदद करेंगे। वे बहुत दयालु हैं। मुझसे इन लोगों ने प्रार्थना में आने के लिए कहा। बोलते थे कि हम पैसा-धेला सब से मदद करेंगे।

मैं समझ गई कि ये लोग मुझे ईसाई बनाना चाहते हैं। मैंने साफ मना कर दिया। मैं ऐसा कैसे कर सकती थी। मेरे घर में तो न जाने कितने देवी-देवताओं का वास है। रोज उनकी पूजा करती हूं। अभी भी सबकी पूजा और आरती करके ही बाहर आई हूं।

कोयला कंपनी के बड़े-बड़े अधिकारी भी आते थे: बस्ती में ही शैलेंद्र बहादुर सिंह मिले। शैलेंद्र कहते हैं कि यहां होने वाली प्रार्थना में सिर्फ बस्ती के लोग ही नहीं आते थे, बल्कि कोयला कंपनी के बड़े-बड़े अधिकारी भी आते थे। बस्ती के 20-25 परिवार हिंदू से ईसाई बन चुके हैं। रविवार की प्रार्थना में तो इतनी भीड़ होती थी कि गली में पैर रखने जगह नहीं मिलती थी।

चुरहट के स्कूल में अतिथि शिक्षक को नहीं मिला कार्यभार, प्राचार्य बोले-जगह खाली नहीं; भोपाल से चयन के बावजूद नियुक्ति नहीं करेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गर्ल्स, चुरहट में शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं। विभागीय पोर्टल पर वर्ग-2 संगीत विषय के लिए प्रतीक सिंह बघेल का चयन 9 सितंबर 2025 को हुआ। विद्यालय को आवंटित आईडी कोड 23170512819 पर जारी प्रमाणपत्र में प्रभारी प्राचार्य अशोक तिवारी के हस्ताक्षर हैं।

प्राचार्य ने प्रभारी टीचर को वापस भेजा: प्रतीक सिंह बघेल लगातार दो दिन स्कूल गए। लेकिन प्राचार्य ने उन्हें कार्यभार नहीं दिया। जिला शिक्षा अधिकारी से संपर्क करने पर उन्हें वापस प्राचार्य के पास भेज दिया गया। प्राचार्य ने साफ मना कर दिया। प्रभारी प्राचार्य अशोक तिवारी का कहना है कि भोपाल से चयन हुआ है। लेकिन वास्तव में कोई रिक्त पद नहीं है। पोर्टल पर पद रिक्त दिखता है, लेकिन हकीकत में ऐसा नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि रिक्त पद नहीं था तो भोपाल को रिक्ति की सूचना क्यों भेजी, तो वे कोई जवाब नहीं दे पाए।

हेलमेट-सीट बेल्ट न लगाने वालों पर कार्रवाई, 5 दिन में 460 बाइक और 195 कार चालकों से वसूला 6 लाख का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। यातायात नियमों का पालन न करने वालों पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। पुलिस ने 8 से 22 सितंबर तक विशेष अभियान की शुरुआत की है। पहले 5 दिनों में ही पुलिस ने 6 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना वसूल किया है। सबसे ज्यादा जुर्माना बिना हेलमेट बाइक चलाने और कार में सीट बेल्ट न लगाने पर लगाया गया। 460 बाइक सवारों से बिना हेलमेट चलाने पर 1 लाख 38 हजार रुपए वसूले गए। कार चालकों से सीट बेल्ट न लगाने पर 1 लाख 95 हजार रुपए का जुर्माना लिया गया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों से 66 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। गलत साइड में चलने वाले 94 लोगों से 47 हजार रुपए वसूले गए। ओवरलोडिंग करने वालों से 50 हजार रुपए और बिना लाइसेंस व परमिट वाहन चलाने वालों से 21 हजार रुपए का जुर्माना लिया गया। यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ जुर्माना वसूलना नहीं है। वे चाहते हैं कि लोग यातायात नियमों का पालन करें। इससे दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है और जुर्माने से भी बचा जा सकता है। हालांकि, अभी भी सड़कों पर बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के लोग आसानी से दिखाई दे जाते हैं।

पत्नी का हंसिया से गला काटा, मौत

फोन पर किसी और से बात करने का था शक; पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी पति संतोष साहू ने अपनी पत्नी पार्वती साहू (32) का हसिया से गला काटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात की है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, पति-पत्नी के बीच पिछले चार सालों से विवाद चल रहा था। मृतका के पिता रामावतार साहू ने बताया कि संतोष को अपनी पत्नी पर शक था कि वह किसी और से फोन पर बात करती है। इसी विवाद के कारण उसने पहले भी पत्नी को घर से निकाल दिया था।

पत्नी को घर से निकाला था, 5 दिन पहले ही वापस आई थी: पार्वती ने कोर्ट में भरण-पोषण की मांग की थी। समझाइश के बाद वह पांच दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। लेकिन एक बार फिर दोनों के बीच विवाद हो गया। जिसको लेकर आरोपी ने पत्नी की हत्या कर दी।

आरोपी नासिक में मजदूरी करता था। पिछले डेढ़ साल से उसने पत्नी और बच्चों को कोई खर्च नहीं भेजा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पीएम के लिए सीधी जिला

अस्पताल भेज दिया है।

नाना-नानी के घर रह रहे बच्चे: आरोपी और पार्वती के दो बेटे और दो बेटियां हैं। मां की मौत और पिता के जेल जाने के बाद वे अपने नाना के घर रह रहे हैं। थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट राजेश साहू ने दर्ज कराई। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। आरोपी घटना के बाद भाग निकला था, लेकिन शुक्रवार दोपहर लगभग 3 बजे पुलिस ने उसे बरिगवां गांव के खेतों से गिरफ्तार कर लिया।

गर्भवती गाय का कुल्हाड़ी से काटा पैर, मालिक ने वापस लेने से किया इनकार; विहिप कार्यकर्ताओं की शिकायत पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एक गर्भवती गाय का पैर किसी अज्ञात व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से काट दिया। मड़वास थाना क्षेत्र के टिकरी तिराहे के पास शुक्रवार सुबह 6 महीने की गर्भवती गाय घायल अवस्था में मिली।

दरअसल, गाय गुरुवार शाम से सड़क किनारे पड़ी थी। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाय को तुरंत पशु चिकित्सालय में भर्ती कराया।

मालिक ने गाय को वापस लेने से किया इनकार: विहिप के प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र सिंह बघेल ने गाय के कान पर लगे टैग से मालिक की पहचान की। मालिक मूडहेरिया गांव के श्यामलाल साहू निकले। हालांकि उन्होंने घायल गाय को

वापस लेने से मना कर दिया।

विहिप कार्यकर्ताओं की शिकायत पर मामला दर्ज: थाना प्रभारी भूपेश बैस ने बताया कि विहिप कार्यकर्ताओं की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने श्यामलाल साहू और अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

ग्रामीण इस घटना को लेकर आक्रोशित है। वे दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। विहिप ने भी पशुपालक पर गाय को सड़क पर छोड़ने का आरोप लगाते हुए अलग से शिकायत दर्ज कराई है।

दीपावली से पहले ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की मांग, व्यापारी संघ ने एसपी को दिया ज्ञापन; कहा-बंद सीसीटीवी और ट्रैफिक सिग्नल को चालू करें

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। दीपावली के करीब आते ही ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। जिला व्यापारी संघ ने इस मुद्दे को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता, महामंत्री प्रकाश ओचानी और कोषाध्यक्ष ऋतुराज गुप्ता ने बताया कि नगर की सड़कों पर अव्यवस्थित पार्किंग से जाम लगना आम बात हो गई है। इससे ग्राहकों को बाजार तक पहुंचने में परेशानी होती है। व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

व्यापारी राजेश गुप्ता के अनुसार, नगर में बाहरी और अज्ञात लोगों की आवाजाही बढ़ी है। ये लोग व्यापारियों और ग्राहकों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। व्यापारी संघ ने इन अज्ञात लोगों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की है।

नगर में सुरक्षा को लेकर बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे और ट्रैफिक सिग्नल को तुरंत चालू करने की मांग भी की गई है। व्यापारियों का कहना है कि कैमरे बंद होने से अपराधियों के हौसले बढ़ रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक से इन समस्याओं का जल्द समाधान करने का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि इससे आमजन और व्यापारी सुरक्षित माहौल में त्योहार मना सकेंगे।

पति बोला- पत्नी की प्रेमी से शादी करा दो, थाने में दिया आवेदन-4 बच्चों की मां मारपीट करती है; हमें उनसे जान का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। युवक अपनी पत्नी के अफेयर से इस कदर प्रताड़ित हो गया कि पुलिस के सामने पत्नी की प्रेमी से शादी कराने की गुहार लगा दी। इसके लिए थाने में बकायदा आवेदन भी दिया है। मामला बैढ़न थाना क्षेत्र के प्रधानमंत्री आवास इलाके का है। पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित पति ने पुलिस को दिए आवेदन में लिखा- पत्नी का उत्तर प्रदेश में रहने वाले राजेश कुमार वर्मा से अवैध संबंध है। मेरे काम पर जाने के बाद राजेश घर आ जाता है। मैंने कई बार पत्नी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन दोनों अलग होने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में मेरी जान को भी खतरा है। मेरी गुहार है कि दोनों की शादी करवा दी जाए।

15 साल पहले हुई थी शादी, 4 बच्चे: पति ने पुलिस को बताया- मेरी शादी 2008 में उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में हुई थी। एक बेटा और तीन बेटियां हैं। बेटे की उम्र 16 साल, उससे छोटी बेटी 14 जबकि 11-11 साल की दो जुड़वां बेटियां हैं। करीब 10 साल पहले पत्नी को लेकर बैढ़न से सिंगरौली आ गया। यहां निजी पावर प्लांट में नौकरी करने लगा। करीब 4 साल पहले पत्नी के राजेश से संबंधों के बारे में पता चला। मैंने उसे समझाया लेकिन वह नहीं मानी। मैंने खुलकर पत्नी की हरकतों का विरोध किया तो वह मारपीट पर उतारू हो जाती। मुझे और बच्चों को जान से मारने की धमकी देती। मैं थाने में दो-तीन बार आवेदन दे चुका हूं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ससुराल में बताया तो वे बोलते हैं कि उसको जो करना है, करे। हमें कोई मतलब नहीं है।

पत्नी ने बेटे को प्रेमी से पिटवाया: युवक ने कहा- गुरुवार को भी राजेश पत्नी से मिलने सिंगरौली आ पहुंचा। बेटे ने आपत्ति जताई तो उसके साथ राजेश ने मारपीट की। फिर पत्नी और राजेश घर से निकल गए। बेटे ने दोनों को गनियारी की ओर जाते हुए देखा। फिर मुझे फोन किया। मैं तुरंत घर पहुंचा। बेटे को साथ लिया। थोड़ा आगे जाने पर पत्नी राजेश के साथ मिली। उनको रोका तो मारपीट करने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो बनाया है।

सीधी के दो बॉक्सर राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व, आदित्य और रोहित ने स्वर्ण पदक जीता; सांसद ने किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गुना में आयोजित शालेय राज्यस्तरीय 14 वर्ष बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सीधी के मुक्केबाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाराणा प्रताप बॉक्सिंग एकेडमी के आदित्य सिंह और रोहित साहू ने स्वर्ण पदक जीता। कुश सिंह चौहान ने रजत पदक प्राप्त किया। दीपांशु द्विवेदी, दिव्यराज सिंह, पीयूष विश्वकर्मा और गुड्डू पाठक ने कांस्य पदक हासिल किए। सीधी के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जिले के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा से सीधी की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हो रही है।

एकेडमी के मुख्य कोच सूरज शुक्ला और सहायक कोच आदर्श द्विवेदी ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया। संघ के सचिव राजकुमार गुप्ता के अनुसार, 2018 के बाद पहली बार एकेडमी से दो खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। जिला बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष डॉ. अनूप मिश्रा ने खिलाड़ियों की सफलता को जिले के लिए गौरव बताया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह, जिला खेल प्रभारी हरिशंकर पांडेय और ब्लॉक क्रीड़ा अधिकारी दिलीप वर्मा सहित खेल जगत से जुड़े लोगों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली बहना योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की राशि प्रदेशभर के पात्र हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। इस अवसर पर सीधी जिले की 2 लाख से अधिक महिलाओं और 97 हजार से अधिक पेंशन हितग्राहियों को लाभ मिला। मुख्यमंत्री ने झाबुआ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1.26 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1541 करोड़ रूपये की राशि और 53.48 लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन

हितग्राहियों को 320.89 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की। इसी क्रम में 31 लाख से अधिक बहनों को गैस सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 48 करोड़ रूपये की राशि भी उनके खातों में भेजी गई।

सीधी जिले में लाड़ली बहना योजना अंतर्गत 2 लाख 9 हजार 731 महिलाओं के खातों में प्रति महिला 1250 रूपये के मान से कुल 25 करोड़ 73 लाख रूपये से अधिक की राशि जमा की गई। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जिले के 51 हजार 135 हितग्राहियों को गैस रिफिलिंग के लिए 63 लाख 20 हजार 226 रूपये की राशि दी गई। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा हितग्राहियों ने सहभागिता की। जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा ने बताया कि लाड़ली बहना योजना का लाभ जनपद पंचायत कुसमी की 17406, मझौली की 29206, रामपुर नैकिन की 44114, सीधी की 54608 और सिहावल की 51574 महिलाओं के साथ-साथ नगर पालिका और नगर परिषद क्षेत्रों की महिलाओं को भी मिला।

इसी तरह, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जिले के 97,382 पात्र हितग्राहियों के खातों में 5 करोड़ 84 लाख 29 हजार 200 की राशि अंतरित की गई। इसमें जनपद पंचायत कुसमी के 6606, मझौली के 13484, रामपुर नैकिन के 18886, सीधी के 26667, सिहावल के 26857 तथा नगरीय निकायों के 4882 पात्र हितग्राही शामिल हैं। इस राशि में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, नि:शक्तजन योजना, कन्या अभिभावक पेंशन योजना, कल्याणी पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को 600 रूपये प्रति माह के मान से लाभ प्रदान किया गया।

जनपद पंचायत आदिकर्मसहयोगी प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत सीधी में 11 एवं 12 सितंबर को दो दिवसीय आदिकर्मसहयोगी प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की टीम द्वारा दिया गया। इस अवसर पर एडिशनल सीईओ जिला पंचायत, सीईओ जनपद पंचायत सीधी, बीपीओ, एपीओ, पीसीओ सहित खंडस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आदि कर्मयोगी अभियान का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को ''आदि सेवा केंद्र'' के माध्यम से जनता तक पहुँचाना है। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, राजस्व, वन, आदिवासी विकास, कृषि एवं पशुपालन विभाग के समन्वित प्रयास किए जाएंगे।

नेपाल के युवाओं का आंदोलन समझ में आता है, मुद्दे और मांग भी वाजिब हैं, लेकिन जिस तरह यह विद्रोह हिंसक और विध्वंसक हुआ है, लोकतांत्रिक समाज में वह कभी भी स्वीकार्य नहीं हो सकता। ऐसा आभास होता है मानो युवा पूरे ही नेपाल को जला कर खाक कर देना चाहते हैं और उनके स्थान पर नई व्यवस्था कायम करना चाहते हैं! किसी भी निर्माण के लिए विध्वंस अनिवार्य नहीं है। जो कल तक नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री थे, उनके निजी आवास फूंक दिए गए। क्योंज्उनके परिजनों का अपराध क्या था? पूर्व प्रधानमंत्रियों-शेर बहादुर देउबा, झालानाथ, प्रचंड, बाबूराम

अब आंदोलन नहीं, हिंसक अपराध

भट्टराई-के भी घर आग के हवाले कर दिए गए। देउबा को तो बीच सडक़ पर खूब पीटा भी गया। पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया गया। बाद में उनकी मौत हो गई। उनका कसूर क्या था? वित्त मंत्री को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। गृह, संचार, विदेश आदि मंत्रियों के घर भी आग की लपटों के हवाले कर दिए गए। यह आंदोलन है? ये सभी नेपाल के जन-प्रतिनिधि थे। नेपाल की जनता ने ही जनादेश दिए थे। यदि वे भ्रष्ट, ऐयाश और जन-विरोधी थे, तो आंदोलन ने उनके इस्तीफे करा दिए। अंततः न्याय तो अदालत करेगी। उनके घर खंडहर कर दिए गए अथवा जला कर खाक कर दिए गए। इससे आंदोलित युवाओं को क्या हासिल होगा?

संपादकीय

रोजगार, रोटी कैसे मिलेगी? महंगाई और भुखमरी कैसे कम होगी? अंततः नेपाल को न्याय कैसे मिलेगा? प्रदर्शनकारी पीढ़ी ने आवेश-आक्रोश में अंधा होकर संसद भवन, सर्वोच्च अदालत और नेपाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पहचान के प्रतीक 'सिंह दरबार' को भी आग की लपटों में घेर दिया। यदि जेनरेशन जेड को इंसाफ की दरकार थी, तो वह सर्वोच्च अदालत से ही संभव था। शुक्र है कि न्यायाधीशों पर निजी हमले नहीं किए गए! संसद भवन तो नेपाल के गणतांत्रिक स्वरूप का सर्वोच्च मंदिर रहा है। अब नए चुनाव होंगे, युवा चेहरे भी सांसद चुने जाएंगे, तो वे कहां बैठ कर देश के लिए कानून बनाएंगे या किस सदन में मुद्दों और समस्याओं पर बहस कर सकेंगे? आंदोलनकारियों ने थानों, बैंकों, मॉल्स में तोडफ़ोड़ की, लूटपाट मचाई। नेपाली युवाओं की दयनीय स्थिति के लिए ये संस्थान कैसे दोषी, जिम्मेदार हैं? हमें लगता है कि अब यह आंदोलन नहीं, डकैती और हिंसक अपराध हैं। अब कई हथियारबंद चेहरे आंदोलन का नेतृत्व करते दिख रहे हैं। क्या हथियारबंद क्रांति का आह्वान किया गया था? उपद्रवी तो 'ज्योतिर्लिंग' पशुपतिनाथ मंदिर में भी घुसने वाले थे, उन्हें सेना ने किसी तरह काबू किया। तितर-बितर कर दिया। अब ऐसा लगता है कि आंदोलनकारी पूरे नेपाल को ही जला कर खाक करना चाहते हैं, ताकि नया नेपाल, नई व्यवस्था बनाई जा सके। काठमांडू हवाई अड्डे से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बंद करना पड़ा था। एयर इंडिया और इंडिगो की उड़ानें भी प्रभावित हुई हैं। करीब 700 भारतीय यात्री फंसे हैं। विदेश मंत्रालय ने अपील जारी की है कि फिलहाल नेपाल-यात्रा को स्थगित कर दें।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन पर वजीफा दो

भूपिंद्र सिंह

मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता हैज

विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य क्षेत्र में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडिय़ों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता सरकार खेल संघ दे देती थी, मगर अब यह सब खिलाडी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडिय़ों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती हैं। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है? खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी-अपनी सुविधा अनुसार जब चाहें, पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है, तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिय़ा प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाडिय़ों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है।

मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमे एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा जाता है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्परिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है।

कुल मिला कर बाढ़ सिर्फ प्राकृतिक कारणों से नहीं आती, बल्कि इनसानी गलतियां इसे और खतरनाक बना देती हैं। यदि नालों और नहरों की सफाई ठीक से नहीं हो, नदियों में सिल्ट जमी रहे, जिससे पानी का बहाव रुक जाए, कई तटबंध और बांध जर्जर हालत में हों और समय पर उनकी मरम्मत नहीं हुई हो, तो नुकसान क्यों नहीं होगा। इसके अलावा अवैध खनन, जंगलों की कटाई और नदी किनारे अनियंत्रित निर्माण भी बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं। काफी जगह जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है, जिसकी वजह से पानी दिनों तक भरा रहता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेड़ों की कटाई सीधे तौर पर बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं को बढ़ा रही है..

यों हुई बाढ़ से इतनी तबाही?

डा. वरिंद्र भाटिया

देश के अनेक राज्य पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश समेत देश के कई इलाके भारी बारिश और बाढ़ का सामना कर रहे हैं। इस बार पंजाब और हिमाचल में आई बाढ़ ने इन्हें आर्थिक तौर पर काफी पीछे धकेल दिया है। इसे पिछले कई सालों की सबसे भीषण बाढ़ माना जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि अब तक सैंकड़ों गांव पानी में डूब चुके हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं और हजारों एकड़ में खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। सडक़ों, पुलों और घरों को भारी नुकसान पहुंचा है। यह राष्ट्रीय आपदा से कम नहीं है। भारत में बाढ़, एक बार-बार आने वाली घटना रही है और इससे जान-माल, आजीविका प्रणालियों, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक उपयोगिताओं को भारी नुकसान होता है। भारत की उच्च जोखिम संवेदनशीलता इस तथ्य से उजागर होती है कि 3290 लाख हेक्टेयर के भौगोलिक क्षेत्र में से 40 मिलियन हेक्टेयर बाढ़ की चपेट में है, जो कि 12 फीसदी है। राज्यवार अध्ययन से पता चलता है कि देश में बाढ़ से होने वाली क्षति का लगभग 27 प्रतिशत बिहार में, 33 फीसदी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में और 15 फीसदी पंजाब और हरियाणा में होता है। हिमाचल प्रदेश में भी इस बार बाढ़ और बारिश ने भारी नुकसान किया है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, मानव जीवन और उद्योगों को क्षति पहुंची है। सेब उद्योग के अलावा होटल और पर्यटन उद्योग भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 4 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में आई बाढ़ के दौरान पानी में बहते लकड़ी के लट्ठों के वीडियो का संज्ञान लेते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि हिमालयी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पेड़ कटाई हो रही है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा, 'हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोर्ट्स से यह भी सामने आया कि बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ी के लट्ठे बहते हुए दिखे। प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि पहाड़ों में अवैध पेड़ कटाई हो रही है।'

पिछले दो महीनों में मौसम से जुड़ी घटनाओं में देश के अलग-अलग हिस्सों में अनेक लोगों की मौत हुई है और कई लापता हैं। इस तबाही का क्या कारण है? विश्लेषकों के मुताबिक हीट वेव और मानसून के पैटर्न में हो रहे बदलाव का कारण पृथ्वी का गर्म होना है। इन एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स और जलवायु परिवर्तन में सीधा संबंध है। अभी मौसम की वजह से जो आपदाएं आ रही हैं, ये सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन का असर है। 1950 से 2015 के बीच मध्य भारत में एक दिन में 150 मिलीमीटर से अधिक वर्षा की घटनाएं 75 फीसदी तक बढ़ गई हैं। साथ ही, शुष्क अवधि भी पहले से अधिक लंबी हो रही है। इन प्राकृतिक आपदाओं का असर लोगों के जीवन और कारोबार पर भी पड़ रहा है। भूस्खलन की वजह से फसलों को नुकसान हुआ है। सडक़ें और पुल बह जाने से कई इलाकों में आवागमन ठप हो गया है। पिछले डेढ़ दशक में तापमान में निरंतर वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक भीषण गर्मी पहले भी पड़ती थी और भारी बारिश भी होती थी, लेकिन पिछले कुछ सालों से इसकी इंटेंसिटी और फ्रीक्वेंसी दोनों बढ़ी हैं। खासकर हीट वेव के मामले में। इससे एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स की फ्रीक्वेंसी और इंटेंसिटी बढ़ रही है। इसका सीधा संबंध ग्लोबल वॉर्मिंग से है। अगर तापमान एक डिग्री बढ़ता है तो वायुमंडल की नमी और भाप को रखने की क्षमता 7 प्रतिशत बढ़ जाती है। इस वजह से बड़े क्लाउड बनते हैं जो ज्यादा बारिश और बिजली का कारण बनते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण वायुमंडल में बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड और दूसरी ग्रीन हाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को माना जाता है। कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा, जो मुख्यतः फॉसिल फ्यूल के जलने से निकलती है, हमारे वातावरण में नमी बढ़ाती है जिससे मानसून और बारिश के पैटर्न प्रभावित हो रहे हैं।

मानसून में पहले भी भारी बारिश होती थी। लेकिन पहले मानसून के दौरान बारिश की अवधि लंबी होती थी। अब तीव्र और कम अवधि की बारिश होती है जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है। ग्लोबल और रीजनल टेम्परेचर दोनों बढ़ रहे हैं और भारत हीट वेव के लिए एक अच्छा उदाहरण है। बदल रहे मौसम की मार आज भारत के लोगों पर पड़ रही है। घनी आबादी वाले शहरों में अब कुछ घंटे की बारिश के बाद ही जलभराव की स्थिति बन जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी बड़ी वजह हरे-भरे जंगलों और खाली जमीन की जगह कंक्रीट की इमारतों का कब्जा है। शहरी विकास ने ग्रीन स्पेस कम कर दिया है। नतीजा यह हुआ कि बारिश का पानी जमीन में सही से समा नहीं पाता और फ्लडिंग जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसके साथ ही जमा पानी के निकास की कारगर व्यवस्था न होने के कारण ज्यादा नुकसान हो रहा है। प्रकृति और पर्यावरण की अनदेखी के गंभीर नतीजे पहाड़ों में और स्पष्ट दिखाई देते हैं। अंधाधुंध विकास ने प्राकृतिक जल स्रोतों को निगल लिया है। शहरों में मौजूद झीलें और वॉटर बॉडी अब इमारतों में बदल गई हैं। ऐसे में कुछ घंटों की बारिश से ही सडक़ें तालाब जैसी दिखने लगती हैं और शहर ठप हो जाते हैं। हाइड्रोइलेक्ट्रिक और रोड डेवलपमेंट की वजह से ढलानों की स्थिरता (स्लोप स्टेबिलिटी) बिगड़ रही है, जो भूस्खलन का बड़ा कारण है। भूकंप जैसी प्राकृतिक घटनाएं पहले से ही पर्वतीय स्थिरता को चुनौती देती हैं, और मानव गतिविधियों ने इस जोखिम को और बढ़ा दिया है।

सोचना यह चाहिए कि हम ऐसा विकास किस कीमत पर कर रहे हैं। कुल मिला कर बाढ़ सिर्फ प्राकृतिक कारणों से नहीं आती, बल्कि इनसानी गलतियां इसे और खतरनाक बना देती हैं। यदि नालों और नहरों की सफाई ठीक से नहीं हो, नदियों में सिल्ट जमी रहे, जिससे पानी का बहाव रुक जाए, कई तटबंध और बांध जर्जर हालत में हों और समय पर उनकी मरम्मत नहीं हुई हो, तो नुकसान क्यों नहीं होगा। इसके अलावा अवैध खनन, जंगलों की कटाई और नदी किनारे अनियंत्रित निर्माण भी बाढ़ का खतरा बढ़ाते हैं। काफी जगह जल निकासी की व्यवस्था कमजोर है, जिसकी वजह से पानी दिनों तक भरा रहता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पेड़ों की कटाई सीधे तौर पर बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं को बढ़ा रही है। पर्यावरण के प्रति हमारी संवेदना क्यों खत्म होती जा रही है? इसी कारण तबाही हो रही है व्यापारिक फायदों से प्रभावित प्रशासनिक नीतियों के कारण। कुदरत पेड़-पौधों की सुरक्षा में समर्थ नहीं हो रही है। कुल मिला कर अगर समय पर बाढ़ को लेकर कुछ पुख्ता प्रबंध किए गए होते तो शायद आज यह नुकसानदेह हालत न होती।

प्राकृतिक आपदा और पुनर्निर्माण पर विमर्श

निष्कर्षतः यही कहा जा सकता है कि 2025 का मानसून हिमाचल के लिए एक और कठिन परीक्षा बन गया। ऐसे में विधानसभा सत्र तभी सार्थक साबित होगा जब तात्कालिक राहत, कर्मचारियों-पेंशनरों की जायज मांगों, दीर्घकालीन ढांचागत सुधार और वित्तीय अनुशासन को समान प्राथमिकता दी जाएगी। जनता मूल्यांकन इस आधार पर करेगी कि पुनर्निर्माण कितनी दूरदर्शिता से किया जाता है...

अनुज

हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज अभी भी बिगड़ा हुआ है और आमजन में इस बार हुई तबाही को लेकर बेचैनी का आलम है। 20 जून से 9 सितंबर, 2025 तक बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की घटनाओं से इस बार हिमाचल प्रदेश को अनुमानित 4122 करोड़ का नुकसान हुआ है। हिमाचल में तीन नेशनल हाईवे के साथ 744 सडक़ें बंद पड़ी हुई हैं। इसके साथ ही प्रदेश में 959 बिजली ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं तो 472 पेयजल की योजनाएं भी बंद हैं और 466 लोगों की मृत्यु हुई है। इसी बीच मंगलवार 9 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान हुए नुकसान का जायजा लिया, 1500 करोड़ रुपए के राहत पैकेज की घोषणा की और मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की बात कही है। दूसरी तरफ हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र इस बार सिर्फ विधायी औपचारिकताओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सत्र से पहले और सत्र के दौरान ही प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से आमजन को हो रही पीड़ा, संकट और उम्मीदों पर चर्चा का गवाह भी बना।

18 अगस्त से 2 सितंबर 2025 तक चले इस सत्र में बारह बैठकों में कई बार राजनीतिक टकराव, विपक्ष के बहिष्कार और सत्ता पक्ष की सफाई पर ध्यान आकर्षित किया, लेकिन सबसे गहरी गूंज आपदा और उससे जुड़े पुनर्निर्माण की ही रही। इस बार लगातार बारिश, भूस्खलनों और बादल फटने की घटनाओं ने प्रदेश के कई जिलों के नागरिकों को असहज और असहाय स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया। चंडीगढ़-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग लंबे समय तक ठप रहा तो वहीं मणिमहेश यात्रा भी स्थगित करनी पड़ी। कई जगहों पर कई किलोमीटर सडक़ें धरातल पर से ही गायब हो चुकी हैं। बागवानों का नुकसान अलग है क्योंकि उनके सेब बॉक्स सेब बागानों से निकल ही नहीं पा रहे हैं, वहीं दूरसंचार सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। मॉनसून और बारिश के तांडव के चलते हिमाचल के शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां करनी पड़ी हैं। कुल मिलाकर इस बार मॉनसून की बारिशों ने हिमाचल के नागरिकों को वर्षों न भूलने वाले जख्म दिए हैं। हिमाचल सरकार ने राज्य में आई इस आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है और मानचित्र आधारित क्षति का विस्तृत आकलन, जीआईएस आधारित तस्वीरें और व्ययों का ब्यौरा केंद्र सरकार को भेजा गया है। इन हालात ने यह साफ कर दिया कि हिमाचल की त्रासदी महज प्राकृतिक आपदा भर नहीं है, बल्कि अव्यवस्थित निर्माण, अंधाधुंध कटान और जलवायु परिवर्तन के संगम से पैदा हुआ एक संरचनात्मक संकट है। वहीं कई नागरिकों की मान्यता में धर्मस्थलों में लोगों का गैर मर्यादित व्यवहार, आचरण एवं पहनावा भी कहीं न कहीं देवताओं की नाराजगी से उपजा संकट है। आपदा की गूंज के साथ-साथ विधानसभा में आर्थिक हालात का बोझ भी चर्चा में रहा। राज्य का राजस्व घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत यानी लगभग 6390 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि वित्तीय घाटा 4 प्रतिशत यानी 10338 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

कर्ज का बोझ एक लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया है, ऐसे में राहत और पुनर्निर्माण के लिए संसाधन जुटाना सरकार के लिए किसी कठिन पहाड़ी चढ़ाई चढने जैसा ही है। इसी बीच कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों की आवाज भी सदन के गलियारों में गूंजती रही। जुलाई 2023 से लंबित महंगाई भत्ते का एरियर, छठे वेतन आयोग के लाभ और लंबे समय से रोके गए महंगाई भत्तों की मांग को लेकर कर्मचारी आंदोलित हैं तो विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है, जबकि सत्ता पक्ष ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए पहली प्राथमिकता आपदा राहत कार्यों को बताया है। राजनीतिक दृष्टि से यह सत्र दिलचस्प रहा, सरकार और विपक्ष दोनों आपदा पर गंभीर दिखे, लेकिन रणनीति अलग-अलग रही। तथ्य यह भी रहा कि सत्र ने विधायी कार्यों की दृष्टि से भी अपना महत्व बनाए रखा। कुल 11 सरकारी विधेयक पास किए गए, एक विधेयक वापस लिया गया और शून्यकाल के दौरान 43 मुद्दे उठाए गए। नियम 67, 62, 130, 101 और 102 जैसे प्रावधानों के तहत लंबी बहसें चलीं। आपदा पर ही 33 घंटे चर्चा हुई। प्रश्नकाल के दौरान कुल 690 सवाल उठे और 1118 बच्चों ने सदन की कार्यवाही को प्रत्यक्ष देखा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सत्र के समापन पर कहा कि यह खट्टे-मीठे अनुभवों का समय रहा और भविष्य में अगस्त की बजाय सितंबर में सत्र बुलाने पर विचार होना चाहिए, क्योंकि अगस्त का महीना आपदा की दृष्टि से हमेशा कठिन रहता आया है।

विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने भी स्वीकार किया कि सत्र लंबा और उपयोगी रहा, लेकिन उन्होंने सरकार पर आर्थिक प्रबंधन में असफलता और संस्थान बंद करने जैसी नीतियों को लेकर सवाल उठाए। कुल मिलाकर, यह मानसून सत्र प्रदेश की त्रासदी और राजनीति दोनों का मंच बना। जनता की नजर में असली सवाल यही है कि क्या इन बहसों से कोई ठोस समाधान निकला? निष्कर्षतः यही कहा जा सकता है कि 2025 का मानसून हिमाचल के लिए एक और कठिन परीक्षा बन गया। ऐसे में विधानसभा सत्र तभी सार्थक साबित होगा जब तात्कालिक राहत, कर्मचारियों-पेंशनरों की जायज मांगों, दीर्घकालीन ढांचागत सुधार और वित्तीय अनुशासन को समान प्राथमिकता दी जाएगी। राजनीति के आरोप-प्रत्यारोप से परे, जनता अपना मूल्यांकन इस आधार पर करेगी कि सडक़ें कितनी जल्दी खुलती हैं, बिजली-पानी कितनी तेजी से बहाल होते हैं और पुनर्निर्माण कितनी दूरदर्शिता से किया जाता है। हिमाचल की जनता अब भाषणों से आगे बढक़र धरातल पर परिणाम चाहती है और यही इस मानसून सत्र की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष टिकरिहा 12 से चार दिनों के बस्तर प्रवास पर

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा कल 12 सितम्बर से बस्तर संभाग के चार दिवसीय प्रवास पर रहेंगे।भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्री टिकरिहा कल 12 सितम्बर को सुबह कांकेर पहुँचेंगे और जिले के पदाधिकारियोंव कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे और मोर्चा के आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा करेंगे। श्री टिकरिहा इसी दिन शाम को कोण्डागाँव पहुँचकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से भेंव चर्चा करेंगे। रात्रि विश्राम कोण्डागाँव में करेंगे। 13 सितम्बर की सुबह श्री टिकरिहा जगदलपुर पहुँचेंगे और बस्तर जिले के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। इसी दिन जगदलपुर में दोपहर को होने वाली सम्भागीय बैठक होगी जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और श्री टिकरिहा विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। श्री टिकरिहा 14 सितम्बर को सुबह बीजापुर और शाम को दन्तेवाड़ा के प्रवास पर रहेंगे। दन्तेवाड़ा जिला भाजपा कार्यालय में उनका रात्रि विश्राम है। अगले दिन 15 सितम्बर को श्री टिकरिहा सुबह सुकमा और शाम को नारायणपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। श्री टिकरिहा रात्रि विश्राम नारायणपुर में करेंगे।

सरगुजा संभाग के सभी जिलों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए चलेगा अभियान

कमिश्नर सरगुजा ने कलेक्टरों को दिए निर्देश। तहसील कार्यालयों की व्यवस्था हो चुस्त-दुरूस्त

रायपुर। सरगुजा संभाग के सभी जिलों में राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए अभियान चलेगा। कमिश्नर सरगुजा श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने आज संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों की बैठक लेकर राजस्व विभाग के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े प्रत्येक प्रकरण का त्वरित और सम्यक् निराकरण किया जाना चाहिए ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके।

बैठक के दौरान कमिश्नर श्री दुग्गा ने कहा कि अविवादित एवं विवादित नामांतरण प्रकरणों, खाता विभाजन, नक्शा बटांकन और सीमांकन जैसे मामलों का अभियान चलाकर शीघ्र निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा कि पारिवारिक विवादों को सुलझाने के लिए नक्शा बटांकन प्रकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाए। श्री दुग्गा ने लंबित 170(ख) प्रकरणों, वृक्ष कटाई के मामलों तथा भू-अर्जन से संबंधित अवार्ड पारित करने हेतु लंबित फाइलों की समीक्षा की और सख्त निर्देश दिए कि इन प्रकरणों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमिश्नर ने तहसील कार्यालयों की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील कार्यालयों में रिकॉर्ड रूम को व्यवस्थित किया जाए, स्वच्छता पर ध्यान दिया जाए और आम नागरिकों के लिए शौचालय, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। राजस्व अधिकारी लंबित प्रकरणों के निराकरण की नियमित मॉनिटरिंग करें। जनता से जुड़े मामलों को गंभीरता से लें और पारदर्शिता के साथ शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें।

कोंडागांव जिले में एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के लिए 4.23 करोड़ की मंजूरी

रायपुर। कोण्डागांव जिले में गिरखकोना एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना बनाई जाएगी, इससे किसानों को खरीफ मौसम में 85 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग द्वारा जिले के विकासखण्ड बस्तर के ग्राम खण्डसरा में बनने वाली इस योजना के लिए 4.23 करोड़ रूपए की राशि मंजूर की गई है। इस संबंध में जल संसाधन विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार गिरखकोना एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना के पूर्ण होने पर सिंचाई की सुविधा के साथ ही, जल संवर्धन, निस्तारी एवं पेयजल की व्यवस्था भी सुनिश्चित होगी। योजना के अंतर्गत सौरपंप और पाइप डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की स्थापना की जाएगी, जिससे किसानों को आधुनिक एवं सतत् सिंचाई प्रणाली का लाभ मिलेगा।

बस्तर के ग्राम सालेमेटा में एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना को मिली मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग ने कोण्डागांव जिले के विकासखण्ड-बस्तर के ग्राम सालेमेटा में कौसारटेंडा नाला पर एनीकट सह सौर उद्वहन सिंचाई योजना को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना के लिए 4.59 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

जल संसाधन विभाग से का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों को खरीफ सीजन में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना और जल संवर्धन को बढ़ावा देना है। योजना के अंतर्गत सौरपंप एवं पाइप डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के माध्यम से 108 हेक्टेयर भूमि में खरीफ फसलों की सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही ग्रामीण अंचल में पेयजल व निस्तारी जल की भी आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इस योजना के क्रियान्वयन से बस्तर अंचल के किसानों को खरीफ सीजन में सिंचाई सुविधा मिलेगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

मुंगेली जिले की दो सिंचाई योजनाओं के लिए 8.59 करोड़ रुपए स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा मुंगेली जिले की दो सिंचाई योजनाओं के लिए 8 करोड़ 59 लाख 36 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। सिंचाई योजना में विकासखंड-पथरिया के अंतर्गत अगरनदी पर निर्मित खैरी एनीकट निर्माण हेतु 4 करोड़ 37 लाख 6 हजार स्वीकृत किए गए हैं। इसी तरह से पथरिया व्यपवर्तन से सिंचाई करने हेतु चार करोड़ रूपए 4 करोड़ 22 लाख 30 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन दोनों सिंचाई योजनाओं में ऊर्जा संचालित उद्वहन सिंचाई पद्धति से सिंचाई की जाएगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से योजनाओं के कार्य को पूर्ण करने के लिए मुख्य अभियंता हसदेव कछार जलसंसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

प्रदेश में अब तक 971.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 971.5 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बस्तर जिले में सर्वाधिक 1368.2 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 475.1 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर शहर जिला की सेवा पखवाड़ा कार्यशाला संपन्नम

17 सितम्बर और 2 अक्टूबर तक विविध कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे – पवन साय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा है कि पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के रूप में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के जो वैचारिक अधिष्ठान थे, एकात्म मानववाद दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी का जन्मदिन 2 अक्टूबर को आता है। भाजपा ने इस 15 दिन के कार्यक्रम को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। श्री साय बुधवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़ा को लेकर आयोजित रायपुर शहर जिला की कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे।भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री साय ने कहा कि 17 सितम्बर को रायपुर शहर जिला भाजपा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन रखा जाएगा। 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भाजपा के सभी मंडलों में रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। 17 सितम्बर और 2 अक्टूबर को विशेष रूप से कुछ सार्वजनिक स्थानों को चिन्हित करके स्वच्छता अभियान चलाएंगे। 17 सितंबर से 24 सितंबर तक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सरकारी अधिकारियों के द्वारा सरकारी केंद्रों में तो लगाए ही जाएंगे, हम समाज के अन्य चिकित्सकों के सहयोग से अधिक से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेंगे जिसमें नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था दी जाएगी। श्री साय ने कहा कि 17 सितंबर को हर जिले में एक संगोष्ठी का आयोजन करेंगे और प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आमंत्रित नागरिकों को संबोधित और अवगत कराएंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के जीवन पर प्रदर्शनी जिले में लगाई जाएगी। संगठन एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म तैयार करा रहा है जिसे अधिक से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में दिखाने का प्रयास करेंगे। 25 सितंबर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती को भाजपा के हर बूथ पर मनाएंगे। श्री साय ने कहा कि कुछ और कार्यक्रम, जैसे बच्चों के लिए चित्रकला, दिव्यांग बच्चों के लिए उपकरणों का वितरण करेंगे। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की मूर्ति पर माल्यार्पण पुष्पांजलि जैसे कार्यक्रम के लिए हमने छत्तीसगढ़ के सभी जिला कार्यकर्ताओं के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति तैयार की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन, व्यक्तित्व, नेतृत्व शैली को जनता तक पहुंचना है – रमेश ठाकुर

रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री श्री मोदी के जीवन, व्यक्तित्व, नेतृत्व शैली को जनता तक पहुंचना है।

भाजपा में सब चौकीदार है तो कांग्रेस में सब चमचे : संतोषपांडेय

कांग्रेस में लगातार चल रहा है वर्चित होने का दौर : संतोष पांडेय

रायपुर। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि भाजपा में प्रत्येक कार्यकर्ता एक सेवक की तरह होते है जो हर परिस्थिति में देश और समाज की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं और देश को लगातार विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, वहीं कांग्रेस के पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ता नहीं होते, सभी नेता होते हैं इसलिए कांग्रेस पार्टी हमेशा अंतर्कलह से जूझती रहती है। श्री पांडेय ने कहा कि भाजपा में सब कार्यकर्ता चौकीदार हैं तो वहीं कांग्रेसी कार्यकर्ता चमचे हैं। कांग्रेस के नेता कभी अपने कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल कहकर संबोधित करते हैं तो कोई चमचा कहकर बताते है कि कांग्रेस पार्टी चमचों की पार्टी है। कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए चमचा शब्द का उपयोग किया है।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी इतनी बढ़ गई है कि कांग्रेस के पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे भूपेश बघेल को एक बार फिर से कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैसे भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज अपनी उधार की कार्यकारिणी चला रहे हैं। बैज ने अपने कार्यकाल के दो साल से ज्यादा समय निकाल दिया है लेकिन आज तक गुटबाजी के चलते अपनी कार्यकारिणी घोषित तक नहीं कर पाए। बिलासपुर में इसका और उदाहरण देखने को मिला। कांग्रेस के एक आदिवासी नेता जब भाषण दे रहे थे तो जबरदस्ती उनसे माईक छीन कर उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया। श्री पांडेय ने कहा कि कांग्रेस के भीतर संवाद की स्थितिक्रम और विवाद की स्थिति ज्यादा है। टी.एस. बाबा के साथ क्या हुआ, सब जानते हैं। कांग्रेस में बयानबाजी का दौर चल रहा है। रविंद्र चौबे के बाद अब ताम्रध्वज साहू के बयान बताते हैं

राज्योत्सव पर वायु सेना का होगा शौर्य प्रदर्शन

अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू ने ली अधिकारियों की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने वाले राज्योत्सव पर भारतीय वायु सेना का शौर्य प्रदर्शन होगा। सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम आसमान में आकर्षक करतब दिखायेगी। इस शौर्य प्रदर्शन में वायु सेना के हेलीकॉप्टर भी हिस्सा लेंगे।

अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू की अध्यक्षता में राज्योत्सव की तैयारियों को लेकर आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में विमानन विभाग एवं वायु सेना के अधिकारियों ने विभिन्न तकनीकी जानकारी प्रस्तुत की। अपर मुख्य सचिव श्री साहू ने वायु सेना के शौर्य प्रदर्शन के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

बैठक में लोक निर्माण, परिवहन, संस्कृति, जनसंपर्क, गृह और सामान्य प्रशासन विभाग सहित जिला प्रशासन रायपुर के अधिकारी शामिल हुए।

जिलों में रंगोली, क्विज, भाषण, मिलेट्स प्रदर्शनी सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन का सिलसिला शुरू हो गया है। दुर्ग, जशपुर, बीजापुर, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की पहल पर आज रंगोली प्रतियोगिता, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, महिला सशक्तिकरण और पोषण आहार मेला जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दुर्ग जिले के आयुष विभाग द्वारा 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' की थीम पर मिलेट्स प्रदर्शनी और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा शहरी एवं अनेक संस्थाओं में मिलेट्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सियान जतन कार्यक्रम में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का विशेष रूप से बी.पी. व शुगर जाच रोगों का परीक्षण कर औषधि वितरण किया गया। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में बच्चों ने "हर दिन हर घर आयुर्वेद विषय को अपनी कल्पनाशीलता के साथ चित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. मेधा रानी गुप्ता ने बच्चों को स्वच्छता, सही नींद और पोषणयुक्त आहार की महत्ता के बारे में उपयोगी जानकारी दी, वहीं डॉ. पूर्णिमा सिंह ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य शिविर में 70 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड का वितरण किया गया।

बीजापुर जिले में भोपालपट्नम के गोटाइगुड़ा में दिव्यांगजनों को वॉकिंग स्टिक सहायक उपकरण वितरित किए गए। सूरजपुर जिले में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से क्विज, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंतेवाड़ा जिले के आईटीआई गोदम में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, विकास एवं संस्कृति पर प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध परंपराओं और विकास यात्रा को रंगों के माध्यम से जीवंत किया।

बिहान योजना से मिली नई राह

गृहिणी से सफल उद्यमी बनीं जानकी यादव

रायपुर। जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पंचायत पिपरसत्ति की श्रीमती जानकी यादव की कहानी सचमुच प्रेरणादायी है। कभी साधारण गृहिणी रही जानकी का जीवन चूल्हा-चौका और कभी-कभार मजदूरी तक सीमित था। आर्थिक संकट इतना गहरा था कि परिवार को अपना खेत तक गिरवी रखना पड़ा। वर्ष 2020 में गांव में बिहान योजना की टीम पहुंची और जानकी श्री राधा रानी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ गईं। यहीं से उनकी जिंदगी ने नई दिशा पकड़ी। समूह को जब 60 हजार का सामुदायिक निवेश कोष मिला, तब जानकी ने साहस दिखाते हुए ऋण लिया और छोटा कपड़े का व्यवसाय शुरू किया। यह उनके आत्मनिर्भर बनने की ओर पहला कदम था। बाद में बैंक से 80 हजार का लोन लेकर उन्होंने सबसे पहले अपना गिरवी रखा खेत छुड़वाया।

कारखाना भी चलने लगे अब सूर्यघर योजना की बिजली से

प्रधानमंत्री मोदी की ड्रीम योजना हो रही बेहद लोकप्रिय

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम जनता के बीच निरंतर लोकप्रिय हो रही है। इस योजना ने न केवल घरेलू उपभोक्ताओं को सही बिजली बिल से राहत दी है, बल्कि अब व्यावसायिक उपयोग के लिए भी लोग इसका लाभ उठाने लगे हैं। इससे उपभोक्ताओं को आत्मनिर्भरता के साथ-साथ दीर्घकालिक बचत भी सुनिश्चित हो रही है।

बिलासपुर स्थित कोनी निवासी श्री ओम अग्रवाल ने योजना के तहत अपने दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल स्थापित किए हैं। पहले उन्होंने छह किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल घरेलू उपयोग के लिए लगवाया, जिसके लाभ को देखते हुए व्यावसायिक उपयोग हेतु अपने पुत्र मुरली अग्रवाल के नाम पर 10 किलोवाट का अतिरिक्त पैनल भी लगवाया। सौर ऊर्जा से अब उनके घर और व्यवसाय दोनों का बिजली बिल न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है।

श्री अग्रवाल ने बताया कि पूर्व में व्यवसाय में बिजली की अधिक खपत के कारण बिल काफी अधिक आता था, परंतु अब सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन होने पर यह समस्या समाप्त हो गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दीर्घकालिक दृष्टि से अत्यंत किफायती एवं उपयोगी है। उनके पौत्र संस्कार अग्रवाल ने जानकारी दी कि दोनों सोलर पैनल स्थापित करने में लगभग नौ लाख रुपये की लागत आई, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 2 लाख 16 हजार रुपये की सब्सिडी प्राप्त हुई। वर्तमान में दोनों घरों की छतों पर कुल 16 किलोवाट का सोलर पैनल संचालित हो रहा है, जिससे प्रतिमाह बिजली बिल में भारी कमी आई है।

परिवार का कहना है कि इस योजना में एक बार का निवेश कर 25 वर्षों तक निरंतर बिजली आपूर्ति प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कंपनी द्वारा नियमित मेंटेनेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाकर बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शहरी एवं ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं को छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्थापित प्लांट नेट मीटरिंग प्रणाली से ग्रिड से जुड़ता है, जिससे उपभोक्ता द्वारा खपत से अधिक उत्पादित बिजली ग्रिड में सप्लाई होकर न केवल बिजली बिल शून्य कर देती है, बल्कि अतिरिक्त आमदनी भी उपलब्ध कराती है।

केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एक किलोवॉट क्षमता का प्लांट औसतन 120 यूनिट प्रतिमाह उत्पादन होता है। केन्द्र सरकार द्वारा इसके लिए 30 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 15 हजार रूपए इस प्रकार कुल 45 हजार रूपए की सब्सिडी दी जाती है। दो किलोवॉट क्षमता का प्लांट लगाने पर औसतन 240 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है। इस पर कुल 90 हजार रूपए की सब्सिडी में केंद्र द्वारा 60 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए शामिल है। इसी तरह 3 किलोवॉट क्षमता का सौर ऊर्जा प्लांट लगाने से औसतन 360 यूनिट प्रतिमाह विद्युत उत्पादन होता है।

इस प्लांट के लगाने वाले हितग्राही को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी मिलती है, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रूपए दिए जाते हैं। हितग्राही को सौर प्लांट स्थापना के लिए ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है, जिससे वे आसानी से सौर प्लांट स्थापित कर सकें। इस योजना से न केवल कम बिजली बिल और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित हो रही है, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

अलसी परियोजना को मिला सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार

रायपुर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय(आईजीकेवी), रायपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना(एआईसीआरपी) अलसी को अलसी अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ एआईसीआरपी केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा आयोजित अलसी एवं कुसुम की वार्षिक कार्यशाला, जो रांची में 9–10 सितंबर, 2025 आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान यह अवॉर्ड प्रदान किया गया। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उन्होंने कहा कि यह सम्मान अलसी अनुसंधान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने।

साइको किलर बोला: 2 हत्या की, 5 और करना थी; 1 लाश नदी में, दूसरी सड़क पर फेंकी

- गाली देने वालों को मारने की पूरी लिस्ट बनाई थी

धनिया आरोपी | प्रकाश गायकवाड़ मृतक | सालकराम तंव मृतक

खंडवा, एजेंसी। एक गांव, दो मर्डर, मरने वाले और तारीख अलग, लेकिन वारदात का तरीका एक जैसा। पहले साथ बैठकर पार्टी करता, नशा चढ़ने पर गला दबाकर मार देता। मर्डर के बाद या तो लाश को नदी में फेंक देता या मेन रोड पर, जिससे हत्या, हादसा लगे। हत्या का कारण मामूली विवाद में गाली देना या हाथ उठाना था।

यह साइको किलर खरगोन जिले का रहने वाला 45 साल का धनिया उर्फ धमेंद्र है, जो अब पुलिस की गिरफ्त में है। इसकी लिस्ट में अभी चार से पांच नाम और थे। यह क्राइम सीरियल देखने का शौकीन है, इसी से आइडिया लेकर इसने वारदात को अंजाम दिया।

दरअसल, खंडवा पुलिस को 26 जून को नर्मदा नदी में एक शख्स की लाश मिली थी। पहले तो लगा डूबने से मौत हुई होगी, लेकिन पोस्टमॉर्टम में खुलासा हुआ कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन मामला ट्रेस तब हुआ जब हत्यारे ने दूसरी बार वारदात की।

इस बार भी उसने गांव के ही व्यक्ति का गला दबाया और फिर एक्सीडेंट बताने के लिए उसे सड़क पर पटक दिया। इसके बाद खरगोन की सनावद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी ने पूछताछ के दौरान पहली वारदात का खुलासा भी कर दिया।

10 सितंबर को फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद खंडवा मर्डर केस में FIR दर्ज की गई है। आरोपी पहले से ही जेल में था, पुलिस अब प्रोडक्शन वारंट के जरिए दोनों मामलों में कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

शुरुआत दूसरी वारदात से, जिससे पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी: सनावद पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई को इंदौर-खंडवा रोड पर फॉरेस्ट नाका के पास लाश होने की सूचना मिली थी। शिनाख्त प्रकाश पिता रमेश गायकवाड़ (45) निवासी ग्राम बड़ूद (खरगोन) के रूप में हुई। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को सनावद अस्पताल भिजवाया गया।

रिपोर्ट में मौत दम घुटने से होना पाया गया। डॉ. विजय कोरी ने पुलिस को बताया कि हत्या में तौलिया या गमछे का इस्तेमाल किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी चेक किए। गांव पहुंचकर लोगों से भी पूछताछ की। पड़ताल में पता चला कि घटना वाले दिन बड़ूद के ही रहने वाले धनिया उर्फ धर्मेंद्र के साथ दिखा था।

लिस ने धर्मेंद्र को तलाशा, लेकिन वह नहीं मिला। 23 जुलाई को सूचना मिली कि धर्मेंद्र बायपास पर क्रेशर खदान के पास दिखा है। टीम ने उसे घेराबंदी करके हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान वह पुलिस को गुमराह करता रहा। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो उसने प्रकाश गायकवाड़ की हत्या करना कबूल लिया।

आरोपी बोला- गाली दी थी, इसलिए मार दिया: पूछताछ में आरोपी ने बताया, 17 जुलाई को प्रकाश उसे बड़वाह में मिल गया। पूछने पर उसने बताया कि रिश्तेदार के यहां तेरहवीं के कार्यक्रम में आया हूं।

गांव में वह अक्सर मुझे गालियां दिया करता था, उस दिन भी उसने मुझे गालियां दीं। मैं उसे पहले ही मारना चाहता था। उस दिन भी गाली दी तो ठान लिया अब इसे मारकर ही रहूंगा। मैंने उससे पता कर लिया कि वह कब लौटने वाला है। शाम को पूरी प्लानिंग से मैं प्रकाश के इंतजार में ब्रिज के पास आकर खड़ा हो गया।

रात करीब 8 बजे वह सनावद तरफ से पैदल आते दिखा। मैं बाइक से उसके पीछे गया और उसे रोक लिया। मैंने कहा- चलो पहले पार्टी करते हैं, फिर चले जाना। वह मान गया। मैंने सबसे पहले शराब खरीदी। इसके बाद प्रकाश को लेकर फॉरेस्ट नाके के पास पहुंचा। यहां बाइक एकांत में खड़ी कर दी और जंगल में पहाड़ी के किनारे शराब पीने पहुंचा।

प्रकाश को खूब पिलाया। शराब खत्म हुई तो और लाने के लिए खड़ा हुआ। खड़े होते ही प्रकाश के गले में गमछा डला दिखा। मैंने उसे तेजी से खींच दिया।

कुछ देर तड़पने के बाद वह शांत हो गया। इसके बाद मैंने उसका गला दबाया। हत्या के बाद मैं लाश को लेकर फॉरेस्ट नाके के सामने मेन रोड पर पहुंचा। यहां बीच रास्ते में उसे यह सोचकर फेंक दिया कि कोई भी वाहन उसे कुचलता हुआ निकल जाएगा।

जुर्म कबूलने के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से गमछा, बाइक और मोबाइल जब्त कर लिया।

पूछताछ में खुल गया दूसरे मर्डर का राज: प्रकाश की हत्या में पूछताछ कर रही पुलिस तब दंग रह गई, जब बातों-बातों में आरोपी धनिया उर्फ धर्मेंद्र ने बताया कि एक महीने पहले भी गांव के एक युवक की उसने हत्या की थी। उसने बताया- बस ड्राइवर सालकराम उर्फ नाना से वह बैर रखता था। इसलिए उसकी हत्या की। हम दोनों के बीच काफी पहले विवाद हुआ था, तब उसने, अपने भाई के साथ मिलकर मुझे गाली देकर पीटा था। तब से ही मैंने उसे मारने का सोच लिया था।

उसने बताया कि सालकराम की हत्या भी प्रकाश जैसे ही की थी। एक दिन वह सालकराम को पार्टी के बहाने निर्माणाधीन नेशनल हाईवे के नर्मदा ओवरब्रिज के पास ले गया था। यहां शराब खरीदकर पिलाई। नशा चढ़ा तो अपने गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को हादसा दिखाने के लिए शव को नर्मदा नदी में फेंक दिया, जिससे लोगों को लगे कि शराब के नशे में वह डूब गया होगा।

लाश को कुत्तों ने नोंचा, मुश्किल से हुई शिनाख्त: आरोपी ने बताया कि 20 जून को मारकर उसने शव को नदी में फेंका था। 26 जून को पुलिस को लाश मिली थी। कुत्तों ने शरीर का काफी हिस्सा नोंच डाला था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा था। परिवार ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी, जिस कारण उसकी शिनाख्ती हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम मांधाता अस्पताल में कराया, जिसमें गला दबाने से उसकी मौत होना पाया गया।

उज्जैन में नकली नोट रैकेट का भंडाफोड़, 5 गिरतार

- 90 हजार में 3 लाख के नकली नोट बनाते थे
- रिटायर्ड कमिश्नर का बेटा भी शामिल

उज्जैन, एजेंसी। पुलिस ने गुरुवार को नकली नोट बनाने और चलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर 5 लाख 20 हजार रुपए के नकली नोट जब्त किए हैं। आरोपियों के पास से नोट छापने का सामान भी बरामद हुआ है। पकड़े गए आरोपियों में एक ट्रेवल एंड वेलफेयर डिपार्टमेंट के रिटायर्ड कमिश्नर का बेटा भी है। आरोपी नकली नोटों को कोडवर्ड में सैंडविच कहते थे।

1 सितंबर को अमरदीप नगर स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान संचालक होरीलाल प्रजापति को एक ग्राहक दुर्गेश ने वॉशिंग मशीन और मोबाइल खरीदने के लिए 23 हजार रुपए के नकली नोट दिए थे। दुकानदार को 100 और 200 रुपए के नोट संदिग्ध लगे। इसके बाद उसने पुलिस को इस बारे में बताया।

एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार पूछताछ में दुर्गेश ने खुलासा किया कि उसके दोस्त शुभम कड़ोदिया ने उसे प्रहलाद और कमलेश से संपर्क करवाया था। ये दोनों ढांचा भवन में रहते हैं और 30 प्रतिशत कमीशन पर नकली नोट देते थे। दुर्गेश, शुभम और शेखर ने दो महीने पहले 90 हजार रुपए देकर 3 लाख के नकली नोट खरीदे थे। तीनों ने एक-एक लाख रुपए के नकली नोट आपस में बांट लिए थे।

पुलिस ने आरोपियों से सीपीयू, कलर प्रिंटर, पेपर, स्केल, केमिकल और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले में पुलिस ने दुर्गेश के साथियों शुभम और शेखर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने माधवनगर थाने में बीएनएस एक्ट की धारा 178, 179, 180 के तहत मामला दर्ज किया है। शेखर आर्किटेक्ट है और ट्रेवल एंड वेलफेयर डिपार्टमेंट के रिटायर्ड कमिश्नर महेश यादव का बेटा है।

जेल में बनी थी नकली नोट खपाने की योजना: एसपी शर्मा ने बताया कि पुलिस ने नकली नोट तैयार करने वाले आरोपी कमलेश के ढांचा भवन स्थिति गोडाउन पर दबिश देने पर कमलेश और प्रहलाद यहीं मिले। पूछताछ करने पर आरोपी कमलेश व प्रहलाद ने बताया गया कि वह दोनों एनडीपीएस के प्रकरण में भेरूगढ़ जेल बंद थे, जहां उनकी मुलाकात सुनील पिता बाबूराव पाटिल से हुई थी।

वह नकली नोट के प्रकरण में पूर्व से जेल में सजा काट रहा था। सुनील ने उन्हें बताया था कि वह नकली नोट बनाता है। जब भी जेल से बाहर आएगा वह नकली नोट बना कर कमलेश और प्रहलाद को देगा जो बाजार में नकली नोट खपाने का काम करेगें। इससे तीनों को अच्छा मुनाफा होगा। जेल से छुटने के बाद सुनील ने उन्हें नकली नोट बनाना सिखाया। नोट छापने के बाद कमलेश ने दुर्गेश, शुभम और शेखर को 30 प्रतिशत के हिसाब से 1,1 लाख रुपए दिए।

आरोपियों के खिलाफ पहले से प्रकरण दर्ज

प्रहलाद को एसटीएफ द्वारा वर्ष 2018 में एनडीपीएस के प्रकरण में जेल में बंद किया गया था। उसे 10 वर्ष की सजा न्यायालय द्वारा दी गई है।वर्ष 2019 में चिमनगंजमंडी थाने द्वारा कमलेश के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी, जिसमें न्यायालय द्वारा 10 वर्ष की सजा दी गई है।आरोपी सुनील को एसटीएफ द्वारा वर्ष 2020 में नकली नोटो के साथ पकड़ा गया था, जिसमें उसे न्यायालय द्वारा 10 वर्ष की सजा दी गई है। वर्तमान में तीनों ही आरोपी जमानत पर हैं। सुनील फरवरी-मार्च 2025 में जेल से जमानत पर बाहर आया तो उसने कमलेश व प्रहलाद से संपर्क किया था। उसके बाद तीनों ने मिलकर नकली नोट बनाने का काम देवास में शुरू किया। नोटों को बाजार में चलाने के लिए शुभम एवं उसके साथियों को चुना। सुनील फिलहाल देवास जेल में बंद है।

गड्ढों से भरे हाईवे पर चलने का लग रहा टैक्स पिपरिया गाडरवाड़ा हाईवे की हालत खस्ता

ड्राइवर बोले- गाड़ियों में हो रही टूट-फूट, हादसों का भी खतरा

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम जिले में पिपरिया से गाडरवाड़ा तक जाने वाला राजमार्ग इस समय बेहद खराब स्थिति में है। करीब 54 किलोमीटर लंबे इस हाईवे पर जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों के कारण न केवल गाड़ियों में लगातार टूट-फूट हो रही है, बल्कि यात्रा में समय भी ज्यादा लग रहा है।

टोल वसूली जारी, मरम्मत की सुध नहीं

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस राजमार्ग की देखरेख एमपीआरडीसी (मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम) जबलपुर डिवीजन द्वारा की जाती है। हाईवे पर पिपरिया के पास टोल प्लाजा संचालित किया जा रहा है, जहां से भारी वाहनों और व्यवसायिक ट्रकों से टोल वसूला जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि खराब सड़क के बावजूद शुल्क लिया जा रहा है, जबकि मेंटेनेंस पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा।

टोल बूथ से 10 कदम की दूरी पर गड्ढे

पिपरिया से बनखेड़ी के बीच बने ओवरब्रिज की स्थिति भी चिंताजनक है। यहां गड्ढों के साथ-साथ सरिए तक बाहर निकल आए हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं, टोल प्लाजा से महज 10 कदम की दूरी पर ही सड़क पर गड्ढे नजर आते हैं, लेकिन टोल कर्मियों द्वारा इनकी मरम्मत की कोई कोशिश नहीं की जा रही।

ड्राइवर बोले- पैसा ले रहे, सुविधा नहीं

ट्रक ड्राइवर मुकेश यदुवंशी ने बताया कि वे सारणी से गाडरवाड़ा तक ट्रक चलाते हैं। खराब सड़क के कारण गाड़ियों में बार-बार मरम्मत करानी पड़ती है, लेकिन फिर भी टोल टैक्स देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि जब सुविधा नहीं है, तो शुल्क क्यों लिया जा रहा है।

एमपीआरडीसी ने दिया भरोसा

इस संबंध में एमपीआरडीसी जबलपुर डिविजन के डिविजनल मैनेजर राकेश मौर्य का कहना है कि एक साल से पिपरिया में टोल प्लाजा चालू है, लेकिन केवल गुड्स वाहनों से शुल्क लिया जा रहा है। सड़क की मरम्मत का काम एमपीआरडीसी के जिम्मे है और गड्ढों को जल्द ही भरवाया जाएगा।

चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार:7 लाख 50 हजार की संपत्ति बरामद

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के इछावर थाना क्षेत्र में पुलिस ने भैंस चोरी के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी की दो भैंस और एक पाड़ी समेत घटना में इस्तेमाल पिकअप गाड़ी बरामद की है।

घटना 6 सितंबर की है। रात करीब 2 बजे अज्ञात चोर रामबाबू के खेत से दो भैंस और एक पाड़ी चोरी कर ले गए थे। पीड़ित ने 9 सितंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसपी दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर एसडीओपी भेरूंदा के मार्गदर्शन में पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

निरीक्षक पंकज वाडेकर के नेतृत्व में गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली। टीम ने नानसा गांव से पिकअप मालिक रामेश्वर गुर्जर को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपने साथी दीपक यादव के साथ चोरी करना कबूल किया। दीपक यादव इटावा खुर्द गांव का रहने वाला है।

पुलिस ने मौके से दो भैंस और एक पाड़ी बरामद की: आरोपियों ने बताया कि चोरी की भैंसें रामेश्वर के खेत की झोपड़ी में छिपाकर रखी हैं। पुलिस ने मौके से दो भैंस और एक पाड़ी बरामद की, जिनकी कीमत 2.50 लाख रुपए है। घटना में इस्तेमाल किया गया पिकअप वाहन भी जब्त किया, जिसकी कीमत 5 लाख रुपए है। कुल बरामद संपत्ति की कीमत 7.50 लाख रुपए है।

गुजरात के दाहोद में पकड़ाएं रतलाम के दो युवक

कार में 20 लाख रुपए की एमडी ड्रग्स लेकर जा रहे थे, बड़े शहरों में खपाने की थी तैयारी

रतलाम, एजेंसी। गुजरात पुलिस ने गुरुवार रात बड़ी कार्रवाई करते हुए दाहोद में एक कार से 204.960 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स जब्त की है। जब्त की गई ड्रग्स की कीमत करीब 20.49 लाख रुपए आंकी गई है। कार में तीन युवक सवार थे, जिनमें से एक मौके से फरार हो गया, जबकि दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गुप्त सूचना पर एसएमएसी की कार्रवाई

यह कार्रवाई गुजरात पुलिस के राज्य निगरानी प्रकोष्ठ (एसएमएसी) ने की। उन्हें सूचना मिली थी कि मध्यप्रदेश से ड्रग्स की खेप गुजरात में लाई जा रही है। इसके बाद दाहोद शहर के स्टेशन रोड पर गुरुवार रात मध्यप्रदेश पासिंग एक संदिग्ध कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार से 204.960 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स बरामद हुई।

रतलाम के रहने वाले हैं दोनों आरोपी

गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान रतलाम के कसाई मंडी, मोचीपुरा निवासी मकबूल पिता मतलूब कुरैशी और काजीपुरा निवासी अंसाली पिता अनवर अली सैयद के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल फोन (कीमत लगभग 15 हजार रुपए) और ड्रग्स की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार (कीमत करीब 5 लाख रुपए) भी जब्त की है।

राजस्थान के सप्लायर से जुड़ा है मामला

पुलिस जांच में सामने आया है कि राजस्थान के प्रतापगढ़ निवासी लाला पठान ने इन युवकों को ड्रग्स की सप्लाई के लिए भेजा था। हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि वे इन ड्रग्स को गुजरात के किस शहर में पहुंचाने वाले थे। संदेह है कि खेप अहमदाबाद, वडोदरा या राजकोट जैसे बड़े शहरों में भेजी जानी थी।

चेकपोस्ट से बचने के लिए बदला रास्ता

एसएमएसी इंस्पेक्टर बीएच राठौड़ ने बताया कि आरोपियों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए चेकपोस्ट से दूर आंतरिक सड़कों का सहारा लिया।

उन्होंने कटवाड़ा चेकपोस्ट से भी बचकर निकलने की कोशिश की। लेकिन समय रहते पुलिस ने उन्हें स्टेशन रोड पर घेर लिया।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

एसएमएसी की शिकायत के आधार पर बी डिवीजन पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(सी), 22(सी) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। साथ ही सप्लायर के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और फरार आरोपी की तलाश जारी है।

दूध से भरा कंटेनर पलटा, ड्राइवर घायल

आगरा-मुंबई राष्ट्रीय हाईवे पर हादसा, पशुओं से बचने की कोशिश में बेकाबू हुआ ट्रक

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले में आगरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा हुआ। मगरखेड़ी के पास दूध से भरा कंटेनर पलट गया। कंटेनर में वारणा मिल्क कंपनी के दूध पैकेट भरे थे।

हादसे में कंटेनर ड्राइवर गुरमीतसिंह (35) घायल हो गया। वह राजस्थान के पदमपुर का रहने वाला है। घायल चालक को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना का चश्मदीद विक्रम कुमार ने बताया कि कंटेनर कोल्हापुर से जम्मू जा रहा था। पेट्रोल पंप के पास सर्कल पर अचानक पशु आ गए। चालक ने पशुओं से बचने की कोशिश की। इस दौरान कंटेनर अनियंत्रित हो गया। वाहन डिवाइडर की जालियां तोड़ते हुए पलट गया। हादसे में सैकड़ों दूध पैकेट हाईवे के दोनों तरफ बिखर गए।

स्थानीय लोगों की सूचना पर बलकवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

घर में घुसा 4 फीट लंबा कॉमन करैत: पूजा घर की टेबल के नीचे छिपा था साइलेंट किलर

सागर, एजेंसी। शहर के छोटा करीला स्थित नई बस्ती में एक घर के पूजा कक्ष में जहरीला सांप घुस आया, जिसे देखकर परिवार में हड़कंप मच गया। यह घटना गुरुवार रात की है, जब विक्रम सिंह ठाकुर के मकान में परिवार के लोग कमरे की लाइट बंद करने गए, तभी टेबल के नीचे सांप दिखा। परिवार ने तत्काल स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी, जो तुरंत मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ ही देर में बिना किसी नुकसान के सांप को पकड़ लिया गया।

कॉमन करैत प्रजाति का था सांप, बेहद जहरीला: स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि पकड़ा गया सांप कॉमन करैत प्रजाति का था, जिसकी लंबाई करीब 4 फीट थी। यह प्रजाति बहुत जहरीली और खतरनाक मानी जाती है। इसे ÷साइलेंट किलर÷ भी कहा जाता है क्योंकि यह अक्सर रात के समय निकलता है और बिना आवाज के हमला करता है।

बारिश और उमस में बढ़ रहा है सांपों का खतरा: बबलू पवार ने बताया कि इन दिनों बारिश और उमस के कारण कई जंगली जीव, खासकर सांप, अपने बिलों से बाहर निकलकर इंसानी बस्तियों की ओर आ रहे हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की जरूरत है।

मऊगंज में महिला पर सैकड़ों मधुमक्खियों का हमला कंबल ओढ़ाकर बचाया

मऊगंज, एजेंसी। नईगढ़ी थाना क्षेत्र के खैरही गांव में शुक्रवार दोपहर एक महिला पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। खेत में काम कर रही 45 वर्षीय कुसुमकली पटेल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घटना उस समय हुई जब कुसुमकली खेत में काम कर रही थीं। खेत के पास स्थित मधुमक्खियों का छत्ता अचानक सक्रिय हो गया। सैकड़ों मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रही अन्य महिलाएं मदद के लिए दौड़ीं। उन्होंने कंबल का उपयोग कर कुसुमकली को बचाया।डॉक्टरों के अनुसार कुसुमकली के शरीर पर कई जगह डंक लगे हैं। उनकी स्थिति अभी स्थिर नहीं है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी में उनका इलाज जारी है। घटना के बाद से ग्रामीण खेतों के आसपास सतर्कता बरत रहे हैं।

जुआ खेलते 6 लोग गिरफ्तार:17 बाइक और 1 लाख 20 हजार रुपए नकद जब्त

बुरहानपुर, एजेंसी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जैनाबाद के जयसिंगपुरा क्षेत्र में जुआ खेल रहे लोगों पर छापा मारा। गुरुवार रात 9 बजे की इस कार्रवाई में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। एसपी आशुतोष बागरी के निर्देश पर चार थानों की पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने एक खेत में छापा मारा। पुलिस को देखते ही कुछ आरोपी मौके से फरार हो गए। सीएसपी गौरव पाटील के मुताबिक, मौके से 1 लाख रुपए से ज्यादा नगदी बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 17 मोटरसाइकिल और एक कूलर भी जब्त किया गया। पुलिस ने सभी सामान को ट्रैक्टर-ट्रॉली में लादकर थाने पहुंचाया। पुलिस फरार हुए आरोपियों की पहचान कर रही है। पकड़े गए।

आईएसएसएफ विश्व कप: भावेश फाइनल की दौड़ में बरकरार, प्रभावित नहीं कर सकीं मेहुली और मानिनी

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत के भावेश शेखावत ने आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल के चौथे दिन दमदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को यहां पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल क्वालीफिकेशन के पहले चरण में चौथा स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन की बदौलत भावेश फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं, लेकिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भारतीय चुनौती कमजोर पड़ गई और कोई भी निशानेबाज फाइनल राउंड तक नहीं पहुंच सका। आरपीएफ स्पर्धा में, भावेश ने 97, 99 और 97 के स्कोर के साथ 293-9× का स्थिर स्कोर बनाया और तीसरे स्थान पर रहे।

जर्मनी के इमानुएल म्यूलर 295-12× के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि फ्रांस के क्लेमेंट बेसागेट 294-11× के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अन्य भारतीयों में, प्रदीप सिंह शेखावत 288-8× (98, 95, 95) के साथ 24वें स्थान पर हैं, जबकि मंदीप सिंह 272-5× (93, 91, 88) के साथ 43वें स्थान पर हैं। उन्होंने आगे कहा, बीसीसीआई सिर्फ पैसे के लिए यह मैच करा रहा है। भारत के 90 प्रतिशत लोगों को ठेस पहुंची है; लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मैं इस मैच का बहिष्कार करूंगा और इसे नहीं देखूंगा। खेलना क्या यह सही है हम उन बहनों को क्या जवाब देंगे, जिनका सिंदूर उजाड़ा गया हमारे खिलाड़ी दुश्मन देश के साथ

महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन फाइनल में, विश्व की नंबर 1 नॉर्वे की जीनेट हेग डुएस्टैड ने 466.2 के स्कोर के साथ प्रतियोगिता का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता, इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में स्वर्ण पदक जीता था। डुएस्टैड, जिन्होंने इस वर्ष म्यूनिख में विश्व कप में स्वर्ण और लीमा में रजत पदक जीता है, के बाद डेनमार्क की रिक्की मेंग इबसेन ने 463.3 अंकों के साथ रजत और चेक गणराज्य की बारबोरा दुबस्का ने 451.4 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक भारत के लिए, मेहुली घोष ने कुल 583-23× (नीलिंग में 194, प्रोन में 196, स्टैंडिंग में 193) अंक हासिल करके 23वां स्थान हासिल किया, जबकि मानिनी कौशिक ने 580-22× (191, 197, 192) अंक हासिल करके 45वां स्थान हासिल किया। सुरभि भारद्वाज रापोले ने 578-23× (193, 196, 189) अंक हासिल करके 52वां स्थान हासिल किया। जो राज्य के फुटबॉल इकोसिस्टम को नई दिशा दे रहा है और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित कर रहा है।2023 बाकू विश्व चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक जीतने वाली मेहुली ने नीलिंग पोज़िशन में 98 अंक के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगली सीरीज़ में लड़खड़ा गई और 96 अंक बनाकर कुल 194 अंक बनाए। उन्होंने प्रोन पोज़िशन में शानदार वापसी की और 99 और 97 अंक बनाकर कुल 196 अंक बनाए, लेकिन स्टैंडिंग पोज़िशन में फिर से लड़खड़ा गई और 95 अंक बनाए। अगले 10 शॉट्स में 98 अंक हासिल करने से भी कोई फायदा नहीं हुआ और स्टैंडिंग पोज़िशन में उनका कुल स्कोर 193 ही रहा। भारत ने अभी तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोला है, लेकिन चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है।

ऐतिहासिक फैसला : महिला वनडे विश्व कप में अंपायर और रेफरी सिर्फ महिलाएं, तीन भारतीयों को मौका

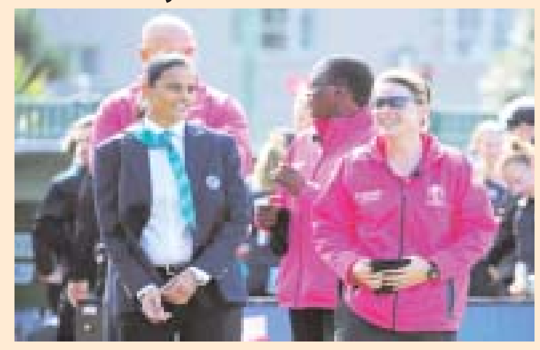

दुबई,एजेंसी । महिला वनडे विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से 2 नवंबर 2025 तक होगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विश्व कप को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। महिला वनडे विश्व कप क्रिकेट के इतिहास में यह पहली बार होगा जब टूर्नामेंट की सारी मैच ऑफिशियल्स और अंपायर महिलाएं होंगी। इससे पहले 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स और आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में मैच ऑफिशियल्स और अंपायर के रूप में महिलाएं दिख चुकी हैं। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कहा, यह महिला क्रिकेट के सफर में एक निर्णायक क्षण है। हमें उम्मीद है कि यह खेल के सभी पहलुओं में कई और नई कहानियों का मार्ग प्रशस्त करेगा। मैच अधिकारियों के रूप में महिला पैनल का शामिल होना न केवल एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि क्रिकेट में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी की अटूट प्रतिबद्धता का एक सशक्त प्रतिबिंब भी है। उन्होंने कहा, यह विकास प्रतीकात्मक मूल्य से कहीं आगे जाता है। यह दृश्यता, अवसर और ऐसे सार्थक रोल मॉडल के निर्माण के बारे में है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित कर सकें। वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को उजागर करके, हमारा उद्देश्य आकांक्षाओं को जगाना और इस बात को पुष्ट करना है कि क्रिकेट में नेतृत्व और प्रभाव लिंग-भेद से परे है। शाह ने कहा, महिलाओं के खेल के विकास में एक नए अध्याय को मान्यता देते हुए हमें गर्व हो रहा है। हमारा मानना है कि इस पहल का प्रभाव इस टूर्नामेंट से कहीं आगे तक जाएगा, जिससे दुनिया भर में अधिकाधिक महिलाओं को अंपायरिंग करियर अपनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी और खेल के भीतर क्या संभव है, इसे पुनः परिभाषित करने में मदद मिलेगी।आईसीसी द्वारा घोषित अंपायर्स और रेफरियों के पैनल में तीन भारतीय नाम भी शामिल हैं। जीएस लक्ष्मी रेफरी होंगी जबकि वृंदा राठी और गायत्री वेणुगोपालन अंपायर होंगी।

आईसीसी मैच अधिकारियों का पैनल: मैच रेफरी : ट्रुडी एंडरसन, शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा। अंपायर :लॉरेन एजेनबैग, कैंडेस ला बोर्डे, किम कॉटन, सारा दंबनेवाना, शथिरा जाकिर जेसी, केरिन क्लास्टे, जननी एन, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, गायत्री वेणुगोपालन, जैकलीन विलियम्स।

ग्रैंड स्विस में आठवें दौर में गुकेश का सामना दिव्या देशमुख से

समरकंद (उज़्बेकिस्तान), एजेंसी। विश्व शतरंज चैंपियन डी. गुकेश आठवें दौर में महिला वर्ल्ड कप विजेता दिव्या देशमुख का सामना करेंगे। यह मुकाबला खास है क्योंकि दोनों ही 19 वर्षीय भारतीय ग्रैंडमास्टर हैं और पहली बार किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर आमने-सामने होंगे। जुलाई में महिला विश्व कप जीतकर दिव्या देशमुख पहले ही कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बना चुकी हैं। उन्हें फिडे की ओर से पुरुषों के ग्रैंड स्विस (ओपन सेक्शन) में वाइल्डकार्ड एंट्री मिली है। इसी कारण वे यहां शीर्ष पुरुष ग्रैंडमास्टर्स के खिलाफ खेल रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पुरुष वर्ग में मजबूत खिलाड़ियों से मुकाबला करना उनके कैंडिडेट्स की तैयारी को और निखारेगा।

गुकेश का अब तक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। उन्होंने शुरुआती चार राउंड में दो जीत और दो ड्रॉ हासिल किए थे, लेकिन इसके बाद लगातार तीन हार झेलनी पड़ी–अभिमन्यु मिश्रा (अमेरिका), निकोलस थियोडोरू (ग्रीस) और एडिज गुरेल (तुर्की) के खिलाफ। उनके खाते में कुल तीन अंक हैं। दूसरी ओर, दिव्या देशमुख ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो हार और तीन ड्रॉ के अलावा दो बड़े उलटफेर किए–मिस्र के बासेम अमीन और सर्बिया के वेलिमिर इविक को हराकर। उनके पास कुल 3.5 अंक हैं और वे फिलहाल गुकेश से आगे चल रही हैं। फिडे के अनुसार, गुकेश और दिव्या की अब तक क्लासिकल फॉर्मेट में सिर्फ एक बार भिड़ंत हुई है। दिसंबर 2018 में मुंबई में हुए आईआईएफएल वेल्थ इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गुकेश ने काले मोहरों से जीत दर्ज की थी।

गौरतलब है कि फिडे ग्रैंड स्विस (ओपन) और फिडे वूमेन्स ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में टॉप-2 खिलाड़ी अगले साल होने वाले फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करेंगे। यह वही प्रतियोगिता है, जिसके विजेता गुकेश (पुरुष वर्ग के मौजूदा विश्व चैंपियन) और चीन की जू वेनजुन (महिला वर्ग की मौजूदा विश्व चैंपियन) को चुनौती देंगे।

लेग स्पिन गेंदबाजी में जान फूंकने वाला क्रिकेटर, जिसने फेंकी बॉल ऑफ द सेंचुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। शेन वॉर्न ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर थे, जिन्हें स्पिन का जादूगर कहा गया। साल 1992 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले वॉर्न ने अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को खूब छकाया। वॉर्न ने 708 टेस्ट विकेट चटकाए, जो लंबे समय तक वर्ल्ड रिकॉर्ड रहा। वॉर्न की बॉल ऑफ द सेंचुरी ने पूरी दुनिया को हैरान किया। आईपीएल में बतौर कप्तान राजस्थान रॉयल्स को पहली ट्रॉफी दिलाने वाले वॉर्न मैदान के बाहर भी अपने व्यक्तित्व के चलते सुर्खियों में रहे।13 सितंबर 1969 को विक्टोरिया में जन्मे शेन वॉर्न ने लगभग दम तोड़ती लेग स्पिन गेंदबाजी में जान फूंकी। वॉर्न अपनी उंगलियों और कलाई का इस्तेमाल करते हुए गेंद को ज्यादा से ज्यादा टर्न करवाते। इस दौरान उन्हें उछाल भी हासिल होती।

शेन वॉर्न ने जनवरी 1992 में अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला मुकाबला खेला। यह मैच भारत के खिलाफ था, जिसमें वॉर्न सिर्फ एक ही विकेट ले सके। मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दिसंबर 1992 में वॉर्न ने अपना पांचवां टेस्ट खेला, जिसमें आठ शिकार किए। यह मैच वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीम के खिलाफ था।

यहां से वॉर्न ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी अचूक सटीकता और विविधता ने उन्हें जादुई प्रदर्शन करने वाला स्पिनर बना दिया था।

जून 1993 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया। एशेज सीरीज का पहला टेस्ट 3 जून से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर शुरू हो गया था। ऑस्ट्रेलियाई पारी मुकाबले के दूसरे दिन 289 के स्कोर पर सिमट गई। मैच के दूसरे दिन शेन वॉर्न को गेंदबाजी का मौका मिला, जो अपना 12वां टेस्ट खेल रहे थे। शेन वॉर्न पहली बार एशिया कप में उतरे थे। उन्होंने दाएं हाथ के बल्लेबाज माइक गेटिंग को लेग ब्रेक गेंद फेंकी। गेंद लेग स्टंप से बहुत बाहर गिरी और इसके बाद टर्न होते हुए सीधे ऑफ स्टंप से टकरा गई। इससे माइक गेटिंग हैरान थे। मैदानी अंपायर भी समझ नहीं सके कि आखिर यह कैसे हुआ शेन वॉर्न की इस गेंद को बॉल ऑफ द सेंचुरी कहा गया।

एशिया कप 2025 - बांग्लादेश ने हांगकांग से लिया 11 साल पुराना हिसाब, 7 विकेट से धमाकेदार जीत

अबू धाबी,एजेंसी । कप्तान लिटन दास (39 गेंदों पर 59 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत बांग्लादेश ने एशिया कप के ग्रुप बी मुकाबले में हांगकांग को सात विकेट से हराकर अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत दर्ज की। यह मैच गुरुवार को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया।144 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने 14 गेंद शेष रहते जीत हासिल की। लिटन और तौहीद हृदॉय (नाबाद 35) के बीच तीसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी ने टीम की जीत की नींव रखी। लिटन की संयमित पारी और सही समय पर तेजी से रन बटोरने की रणनीति ने बांग्लादेश को मजबूत स्थिति में बनाए रखा। इससे पहले गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने हांगकांग को 143/7 तक सीमित कर दिया।बांग्लादेश की शुरुआत परवेज हुसैन इमोन के कुछ आकर्षक

पंजाब में फुटबॉल क्रांति- पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है।

इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा। बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके।

यह विस्तार सिर्फ संख्या का नहीं, बल्कि क्वालिटी कोचिंग और युवाओं के लिए एक मजबूत भविष्य का वादा है। पंजाब एफसी अब सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है,

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट को तूल न दे, सरकार अपना काम कर रही है: कपिल देव

चंडीगढ़, एजेंसी । चंडीगढ़ प्रीमियर लीग में सेमीफाइनल लाइनअप तय हो गई है। पहले सेमीफाइनल में अल्ट्रूइस्टियन का मुकाबला कैपिटल स्ट्राइकर्स से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चंडीगढ़ किंग्स और पंचकुला बैशर्स आमने-सामने होंगे। यह दोनों मुकाबले शुक्रवार को सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम में यूटी क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजन में खेले जाएंगे। गुरुवार को अल्ट्रूइस्टियन ने तालानोआ टाइगर्स को 18 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए अल्ट्रूइस्टियन ने 155/7 का स्कोर खड़ा किया, जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज संचित साहू ने 53 गेंदों पर 58 रन बनाए, जबकि नाबाद हर्षित सिंह (23 रन, 11 गेंद) और प्रीत यादव (23 रन, 14 गेंद) ने ताबड़तोड़ पारी खेली। टाइगर्स की ओर से गौरव गंभीरा (3/27) और हार्दिक चौधरी (2/21) सबसे सफल गेंदबाज रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए तालानोआ ने अच्छी शुरुआत की। नेहल पाजनी ने 53 रन और जशन बेनीवाल ने 27 गेंदों पर 37 रन बनाए, लेकिन मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया और पूरी टीम 19.4 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। अल्ट्रूइस्टियन के गेंदबाज राहुल सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट झटके, वहीं आर्यन दुग्गल (3/31) और निखिल शर्मा (2/37) ने भी अहम योगदान दिया।

इससे पहले, कैपिटल स्ट्राइकर्स ने पंचकूला बैशर्स पर नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बैशर्स को अनुशासित गेंदबाजी के सामने संघर्ष करना पड़ा और 18.2 ओवर में मात्र 84 रन पर ढेर हो गई। अंकित कौशिक (20) और देवांग कौशिक (20) टॉप स्कोरर रहे। पारी का मुख्य आकर्षण अमृत लुबाना (5/13) का शानदार स्पेल रहा, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए, स्ट्राइकर्स की पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज अर्जुन आज़ाद ने की, जिन्होंने 51 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 50 रनों की तूफानी पारी खेली। निपुण शारदा के नाबाद 16 रनों की बदौलत कैपिटल स्ट्राइकर्स ने 15 ओवर में 85/1 का स्कोर बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। पूर्व टेस्ट खिलाड़ी कपिल देव ने यूटी क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय टंडन की उपस्थिति में खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों के विषय पर कहा की सरकार अपना काम कर रही है; खिलाड़ियों को अपना काम करना चाहिए - पूरे समर्पण के साथ खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले को तूल नहीं देना चाहिए। टीम में विश्वास व्यक्त करते हुए, उन्होंने आश्वासन दिया कि टीम संतुलित है और कप जीतने में सक्षम है। इस अवसर पर यूटीसीए सचिव देवेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष सीए आलोक कृष्ण, लीग के अध्यक्ष हरि सिंह खुराना सहित अन्य पदाधिकारी और फ्रैंचाइज़ी मालिक भी उपस्थित थे। शाम को यूटी क्रिकेट एसोसिएशन ने चंडीगढ़ के रानी लक्ष्मी बाई महिला भवन में कपिल देव के साथ एक मोटिवेशनल लैक्चर का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे।

डॉक्टर और चिकित्साकर्मी अस्पतालों की आत्मा हैं: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने डक्ट कूलिंग सिस्टम का किया लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने संजय गांधी अस्पताल में डक्ट कूलिंग सिस्टम तथा 17 व्हील चेयर का लोकार्पण किया। डक्ट कूलिंग सिस्टम से दो वार्डों में रोगियों और उनके परिजनों को शीतल हवा मिलेगी। इसका निर्माण ऑक्सीजन आपूर्ति करने वाली कंपनी आईनॉक्स द्वारा 20 लाख रुपए की लागत से किया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा तेजी से मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है। उपचार के लिए नागपुर जाने वाले रोगियों की संख्या में कमी आई है। कुछ ही महीनों में कैंसर यूनिट का निर्माण पूरा होते ही रीवा में दो सौ बेड का कैंसर अस्पताल शुरू हो जाएगा। इसमें 40 करोड़ रुपए की लागत से लीनेक मशीन लगाई जा रही है। इस अस्पताल में कैंसर के उपचार की आधुनिकतम सुविधा उपलब्ध रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। संजय गांधी अस्पताल में सुधार तथा नई व्यवस्थाओं के लिए 321 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। सर्जरी विभाग में सिंगरौली की एनसीएल कंपनी द्वारा दी गई 6 करोड़ रुपए की सहयोग राशि से आधुनिक मशीन लगाई जा रही है। यहाँ के डॉक्टर बहुत अच्छे हैं। डॉक्टर और चिकित्साकर्मी अस्पतालों की आत्मा हैं। रोगियों का अच्छा उपचार करने के साथ उनसे मृदु व्यवहार भी करें। डॉक्टर के अच्छे व्यवहार से रोगी का आधा रोग ठीक हो जाता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आईनॉक्स कंपनी ने कोरोना संकट के समय ऑक्सीजन की आपूर्ति करके सराहनीय कार्य किया। कंपनी ने संजय गांधी अस्पताल के दो वार्डों में कूलिंग सिस्टम लगाया है।

समारोह में आईनॉक्स कंपनी के प्रतिनिधि अतुल कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कंपनी प्रतिदिन 4500 टन ऑक्सीजन का निर्माण कर रही है। कोरोना काल में प्रतिदिन 40 टैंकर ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रदेश को की जा रही थी। जनकल्याण के लिए कंपनी सदैव सहयोग करेगी। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, मेडिसिन विभाग के डॉ पीके बघेल, पूर्व जनपद अध्यक्ष लालबहादुर सिंह, संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ यत्नेश त्रिपाठी, विवेक दुबे तथा आमजन उपस्थित रहे।

मऊगंज के नईगढ़ी में नेत्र जांच शिविर, 187 लोगों की हुई जांच; 32 मोतियाबिंद के मरीज चित्रकूट रेफर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के नईगढ़ी में भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी और सतगुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के सहयोग से निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर लगा। 12 सितंबर को आयोजित इस शिविर में 187 मरीजों की जांच की गई। इनमें से 32 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। मोतियाबिंद के मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए विशेष एंबुलेंस से जानकीकुंड चित्रकूट भेजा गया।

रेडक्रॉस सोसाइटी के संरक्षक राममिलन प्रजापति ने बताया कि यह सेवा 2009 से जारी है। अब तक 10 हजार से अधिक मरीजों को इसका लाभ मिल चुका है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ये शिविर नेत्र रोगों के समय पर इलाज में मददगार साबित हो रहे हैं। शिविर की सफलता में नृपेन्द्र सिंह पिंटू, राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, राममिलन प्रजापति, वरिष्ठ समाजसेवी रामाश्रय नामदेव, बाला प्रसाद गौतम, रामपाल सिंह और राजरमन पटेल का विशेष सहयोग रहा। स्थानीय लोगों ने रेडक्रॉस और चिकित्सा दल के प्रयास की सराहना की।

राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता में ज्ञानस्थली विद्यालय के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सागर जिले में 8 से 13 सितंबर तक स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय शालेय ताइक्कांडो क्रीड़ा प्रतियोगिता में ज्ञानस्थली विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में विद्यालय की सोफिया बानो ने सिल्वर मेडल, वहीं शिवम दुबे, मुदित पटेल, मयंक सेन और प्रसून सेन ने ब्रॉन्ज मेडल अर्जित कर जिले एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के डायरेक्टर प्रणव सिंह ने शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य सलोनी बत्रा और उपप्राचार्य कल्पना सिंह ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके परिश्रम की सराहना की। सभी खिलाड़ियों ने विद्यालय के कोच पवन किशोर के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

संजय गांधी अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, धुएं के गुबार से भरा मेडिसन वॉर्ड; कर्मचारियों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासकीय संजय गांधी अस्पताल में शुक्रवार सुबह एक कार्यक्रम से पहले शॉर्ट सर्किट से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना अस्पताल के तीसरी मंजिल पर मेडिसिन वार्ड में हुई, जहां अचानक तेज आवाज के साथ बिजली के बॉक्स में आग लग गई। इससे पूरे फ्लोर पर धुएं का गुबार फैल गया और कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। अस्पताल के कर्मचारियों ने फायर गैस सिलेंडर की मदद से आग पर काबू पाया।

गुब्बारों से सजे वार्ड में मची अफरा-तफरी: जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को अस्पताल में एक कार्यक्रम होना था, जिसकी तैयारी में वार्ड को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था। लेकिन सुबह करीब 10:30 बजे अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से गुब्बारे भी धमाके जैसी आवाज के साथ फूटे, जिससे मौके पर मौजूद लोग घबरा गए। हालांकि, उस समय तक कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथि और लोग पूरी तरह पहुंचे नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

कर्मचारियों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा: घटना के तुरंत बाद अस्पताल के कर्मचारियों ने फायर गैस सिलेंडर की मदद से आग पर काबू पा लिया। स्थिति को संभालते हुए अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत बिजली व्यवस्था और अन्य जरूरी तकनीकी जांच कराई। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि घटना में कोई जान-माल की हानि नहीं हुई है और ना ही आग ने ज्यादा फैलाव लिया। समय पर नियंत्रण से स्थिति पूरी तरह सामान्य हो गई।

तय समय पर हुआ कार्यक्रम: शॉर्ट सर्किट की घटना के बाद थोड़ी देर के लिए कार्यक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति रही, लेकिन हालात सामान्य होने के बाद अस्पताल में निर्धारित कार्यक्रम के तहत 77 व्हीलचेयर और डक्ट कूलिंग सिस्टम का लोकार्पण किया गया।

बिजली व्यवस्था की होगी जांच: इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन ने तकनीकी टीम को निर्देश दिए हैं कि बिजली कनेक्शन और वायरिंग की पूरी जांच की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और अस्पताल सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्वच्छता से सेवा पखवाड़े के संबंध में दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वच्छता से सेवा पखवाड़े के संबंध में निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी कलेक्टर पखवाड़े में निर्धारित दिवसों के लिए तय गतिविधियों का कैलेण्डर बना लें। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इन गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करें। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों और आमजनता की भी भागीदारी का प्रयास करें। पखवाड़े में ग्रामीण विकास विभाग और शहरी विकास विभाग द्वारा स्वच्छोत्सव मनाया जाएगा। इसमें अस्वच्छ स्थलों का चयन कर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाएं।

पखवाड़े में 25 सितम्बर को एक घंटा सार्वजनिक स्थल, महत्वपूर्ण जल स्त्रोतों अथवा सार्वजनिक स्थल पर सामूहिक रूप से स्वच्छता का अभियान चलाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पखवाड़े की अवधि में जिला से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसमें गर्भवती महिलाओं सहित सभी महिलाओं के स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग मिलकर शिशुओं का पोषण स्तर बढ़ाने, महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करेंगे। प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र तक आयोजित कार्यक्रम की रिपोर्टिंग पोर्टल में अनिवार्य रूप से करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि पखवाड़े की अवधि में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान चलाया जाएगा। इसमें शामिल सात विभाग जनजातियों के कल्याण के लिए समन्वय से योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे। संस्कृति विभाग द्वारा राज्य स्तर, संभाग स्तर तथा जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

हनुमना में कर्मयोगी प्रशिक्षण शिविर शुरू, 400 से अधिक गांवों के लोगों को मिलेगी ट्रेनिंग; योजनाओं की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हनुमना जनपद पंचायत सभागार में शुक्रवार को दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत हुई है। ब्लॉक स्तर पर शिविर में पांच मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण दे रहे हैं। इनमें महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत, कृषि, वन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी शामिल हैं।

आदिवासियों के उत्थान की योजनाओं की दी गई जानकारी: जनपद पंचायत हनुमना की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुरभि श्रीवास्तव ने कहा कि आदिवासी अंचलों के लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना प्राथमिकता है। मास्टर ट्रेनर सर्वेश सिंह गहरबार ने

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आदिवासियों के उत्थान की योजनाओं की जानकारी दी। रीवा जिले में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। रीवा, रायपुर, गंगेव और सिरमौर ब्लॉक में पहले ही प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। जिले के 400 से अधिक आदिवासी गांवों में से अधिकतर सिरमौर, जवा और हनुमना ब्लॉक में स्थित हैं।

डिजिटल जनजातीय विश्वविद्यालय आदि संस्कृति का शुभारंभ: इसी कड़ी में नई दिल्ली के भारत मंडपम से केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने विश्व के पहले डिजिटल जनजातीय विश्वविद्यालय आदि संस्कृति का शुभारंभ किया है। यह ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म जनजातीय कला, संस्कृति और परंपरागत ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहुंचाएगा।

जिले के 12 से अधिक थाने एसआई के भरोसे, कई अनुभवी टीआई लाइन हाजिर; अधिवक्ता बोले- अनुभव की कमी से बढ़ रहे अपराध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर और जिले के प्रमुख थानों की कमान सब-इंस्पेक्टर (एसआई) के हाथ में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि, इससे शहर में लगातार लूट, हमला और महिला अपराध जैसी गंभीर घटनाएं सामने आ रही हैं, इसके बावजूद थाना प्रभारी पद पर इंस्पेक्टर (टीआई) की जगह एसआई को जिम्मेदारी दी गई है। इससे पुलिसिंग की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

प्रमुख थानों में तैनात हैं एसआई, बढ़ा अपराध का ग्राफ: शहर के अमहिया, सिविल लाइन और बिछिया जैसे व्यस्त और संवेदनशील थानों सहित ग्रामीण क्षेत्रों के गुढ़, चाकघाट और गोविंदगढ़ जैसे थानों की जिम्मेदारी भी एसआई को सौंपी गई है। ये थाने आपराधिक दृष्टिकोण से बेहद संवेदनशील हैं, लेकिन अनुभव और रैंक के अभाव में एसआई स्तर के अधिकारी अपराधों पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं।

एक ही दिन में हुई तीन लूट की वारदातें: अधिवक्ता बीके माला ने बताया कि बीते कुछ

सप्ताह में शहर में एक ही दिन में तीन लूट की वारदातें, शिल्पी प्लाजा पर पुलिसकर्मी को कुचलने की कोशिश और पूर्व मुख्यमंत्री की भतीजी से लूट जैसे मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा गुढ़ क्षेत्र में गैंगरेप और धार्मिक स्थल तोड़े जाने जैसी घटनाएं भी पुलिस की लचर व्यवस्था को उजागर कर चुकी हैं।

लाइन में पड़े हैं टीआई, फिर भी नहीं मिल रही पोस्टिंग: उन्होंने बताया कि दूसरी ओर कई अनुभवी टीआई अधिकारी लाइन हाजिर हैं, लेकिन उन्हें पोस्टिंग नहीं दी जा रही है। इसके बजाय थानों की जिम्मेदारी कम अनुभवी एसआई को दी जा रही है।

रोजगार मेला 18 को संभागीय आईटीआई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत संभागीय आईटीआई रीवा में 18 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 30 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है।

वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 35 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष की प्रतिमा स्थापना पर विवाद

पुलिस ने रोका निर्माण, महापौर बोले- 17 सितंबर तक नहीं लगी तो होगा आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा स्थापना को लेकर रीवा में विवाद गहरा गया है। नगर निगम द्वारा पीटीएस चौराहे पर प्रतिमा लगाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने निर्माण पर रोक लगा दी, जिससे राजनीतिक तनातनी तेज हो गई है। नगर निगम और पुलिस विभाग भूमि के स्वामित्व को लेकर आमने-सामने हैं। वहीं, महापौर अजय मिश्रा ने चेतावनी दी है कि अगर 17 सितंबर तक प्रतिमा नहीं लगाई गई तो कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन करेंगे।

नगर निगम का दावा- परिषद से प्रस्ताव पास, भूमि नगर निगम की: महापौर अजय मिश्रा बाबा ने कहा कि नगर निगम परिषद ने महाराजा मार्तंड

सिंह और पंडित श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमाएं लगाने का प्रस्ताव पारित किया था। दोनों प्रतिमाओं के लिए स्थान भी चिह्नित किया गया था। पीटीएस चौराहे पर विगत तीन दिनों से प्रतिमा स्थापना का ढांचा तैयार किया जा रहा था, लेकिन जैसे ही ढांचा बनकर तैयार हुआ, पुलिस ने आगे का काम रुकवा दिया और वहां बल तैनात कर दिया। महापौर का कहना है कि

यह भूमि मध्यप्रदेश शासन की है, और नगर निगम के उपयोग में आती है। ऐसे में पुलिस की आपत्ति अवांछित और राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि श्रीनिवास तिवारी ने विंध्य क्षेत्र के गरीबों, किसानों और श्रमिकों के हक की लड़ाई लड़ी थी, ऐसे जननेता की प्रतिमा पर रोक लगाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

पुलिस का पक्ष- भूमि पुलिस विभाग की, निर्माण अवैध: वहीं, पुलिस प्रशासन का कहना है कि विवादित स्थल पुलिस विभाग की अधिगृहीत भूमि है, जिस पर बिना अनुमति कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। इसीलिए ढांचा तैयार होते ही कार्य रुकवा दिया गया और प्रतिमा स्थापना पर रोक लगाई गई।

कलेक्टर बोले- बैठक से निकलेगा हल: पूरे विवाद पर प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने कहा कि यह मामला डिपार्टमेंटल को-ऑर्डिनेशन से जुड़ा हुआ है। भूमि के स्वामित्व और उपयोग को लेकर कुछ भ्रम है, जिसे सभी संबंधित विभागों के साथ बैठक कर सुलझाया जाएगा। कलेक्टर ने यह भी संकेत दिए कि सहमति के साथ समाधान तलाशने की कोशिश की जाएगी।

कांग्रेस ने दी चेतावनी- 17 सितंबर तक नहीं लगी प्रतिमा तो होगा आंदोलन: महापौर अजय मिश्रा बाबा ने साफ कहा कि यदि 17 सितंबर तक श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा नहीं लगाई गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने प्रशासन को चेताया कि यह जनता की भावनाओं से जुड़ा विषय है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुरक्षित सड़क आदतें अपनाने की पहल, मध्य प्रदेश में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपना सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान रीवा में आयोजित किया। इस दौरान जवाहरलाल नेहरू कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी और महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के छात्रों को शामिल किया गया। 2300 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, इस पहल का उद्देश्य संरचित प्रशिक्षण और इंटरएक्टिव लर्निंग के माध्यम से जिम्मेदार सड़क उपयोग की संस्कृति को मजबूत करना था।

कार्यक्रम में इस बात पर ज़ोर दिया गया कि शुरुआती शिक्षा भविष्य के सवारों और नागरिकों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाती है। छात्रों को सड़क सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराया गया, जिनमें सही तरीके से हेलमेट पहनना, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना, पैदल यात्री अनुशासन और वास्तविक परिस्थितियों में जोखिम का अनुमान लगाना शामिल था। एचएमएसआई ने प्रतिभागियों को यह संदेश दिया कि सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है जो व्यक्ति और समाज दोनों की रक्षा करती है।

ऐसे अभियानों के माध्यम से एचएमएसआई आने-जाने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक का समाधान कर रहा है युवाओं में सड़क पर जिम्मेदारी की सोच विकसित करना। इसका मक़सद केवल जागरूकता फैलाना नहीं है, बल्कि लंबे समय तक व्यवहार में बदलाव लाना है, ताकि सही और समझदारी से लिए गए फैसले रोज़मर्रा की आदत बन जाएँ। स्कूलों और कॉलेजों को शामिल करके एचएमएसआई यह सुनिश्चित करता है कि युवा अपनी आवाज़ के ज़रिए यह संदेश घरों और समुदायों तक पहुँचाएँ, जिससे इसका असर सीधे प्रतिभागियों से कहीं आगे तक फैल सके।

रीवा में यह पहल एचएमएसआई के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत सड़क सुरक्षा शिक्षा को समाज के विभिन्न स्तरों पर जोड़ा जा रहा है। हर गतिविधि एचएमएसआई के निरंतर प्रयासों को और मज़बूती देती है, ताकि सुरक्षा शिक्षा सभी के लिए सुलभ, प्रासंगिक और प्रभावशाली बने और एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो जो गतिशीलता के केंद्र में जिम्मेदारी को रखे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।